डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 160 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | गुरुवार 27 मार्च 2025 | मूल्य 2 रुपया

पूर्व विधायक और बेटे पर जमीन कब्जे का आरोप

परिजनों का कहना- बुजुर्ग को किया अगवा, गुंडो को लाकर की मारपीट

ज्ञापन देते कुमावत समाजजन

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। पूर्व विधायक नवकृष्ण पाटिल और उनके बेटे पर गंभीर आरोप लगे हैं। कुमावत समाज के लोगों ने पुलिस कप्तान अभिषेक आनंद को इस संबंध में आवेदन देकर शिकायत की है। आरोप है कि न्यायालय में विचाराधीन जमीन विवाद को लेकर 100-150 गुंडे लाकर मारपीट की गई। वहीं फरियादी के पिता का अपहरण कर लिया गया। **यही नहीं फरियादी ने कृषि उपज लूटने और परिवार की एक महिला के साथ अश्लील हरकत करने का आरोप भी लगाया है।**

मामला मंदसौर की रेवास देवड़ा रोड पर भूमि सर्वे क्रमांक-1354/3/(एस) रकबा 0.0210 हेक्टेयर से जुड़ा है। इस जमीन को लेकर राधेश्याम पिता कचरमल कुमावत निवासी नरसिंहपुरा और पूर्व विधायक नवकृष्ण पाटिल के बीच विवाद चल रहा है। यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है। मंगलवार शाम करीब 07.30 बजे जमीन को लेकर विवाद हुआ। इसके बाद कुमावत समाज के लोग पुलिस कप्तान के पास पहुंचे। यहां आवेदन के माध्यम से शिकायत की गई। राधेश्याम ने शिकायत में बताया कि जमीन का मामला न्यायालय में चल रहा है। इस जमीन पर पूर्वजों के समय से काबिज है। यहां मवेशी बांधकर दूध का व्यवसाय करते हैं। यहां कच्चा और एक पक्का मकान पहले से ही बना है।

मंगलवार शाम साढ़े सात बजे आरोपी आदित्य पाटिल व नवकृष्ण पाटिल करीब 100 से 150 लोगों के साथ मौके पर पहुंचे। यहां बने मकान में तोड़फोड़ कर दी। कृषि उपज लूट ली। बंधे हुए मवेशियों को खोल दिया गया। राधेश्याम ने आवेदन में कहा कि मेरे पिता कचरमल पिता मोहनलाल पडियार घटना स्थल पर गए। उसके बाद से ही उनका कोई अता पता नहीं है। आदित्य पाटिल व नवकृष्णपाटिल द्वारा गुण्डों के बल पर भूमि पर कब्जा कर लिया है और अभी भी मोके पर 40 से 50 व्यक्ति बैठे हैं। उनके द्वारा वहां जाने पर धमकाया जा रहा है। पिता के अपहरण की बात भी आवेदन में कहीं गई है। इसके अलावा आवेदन में यह आरोप भी लगाया है कि परिवार की एक महिला के साथ अश्लील हरकतें की और कपड़े तक फाड़ दिए। मामले में कार्रवाई की मांग की गई है।

कमीशन का खेल खत्म करना प्रशासन के हाथ में...

सिर्फ आदेश नहीं, जबलपुर जैसी कार्रवाई की जरूरत

हर साल आदेश को रद्दी की टोकरी में डालते अधिकारी..!

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कोई भी स्कूल किसी एक जगह से यूनिफार्म या पुस्तकें खरीदने का दबाव नहीं बनाएगा। यह आदेश प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी किया है। लेकिन, मंदसौर के लिए कोई नई बात नहीं है। हर साल यह आदेश जारी होता है और स्थानीय अधिकारी इसे रद्दी की टोकरी में अधिकारी डाल देते हैं। जबकि, इसको गंभीरता से लिया जाए तो जबलपुर की तरह अभिभावकों की दुआएं हमारे जिले के अधिकारियों को मिल सकती है। वो भी मुफ्त.. बस अपना कर्तव्य ईमानदारी से निभाते हुए आदेश पर अमल करना होगा। जबलपुर में की गई प्रशासनिक पहल के बाद 50 प्रतिशत तक कम दाम पर यूनिफार्म, स्कूल बैग और अन्य स्टेशनरी सामान अभिभावकों को मिल रहे हैं।

यह होता है मंदसौर में...

किताबों या यूनिफार्म में कमीशन के खेल पर प्रतिबंध लगाने के आदेश सिर्फ औपचारिकताभर ही मालूम होते हैं। आदेश के अनुसार किसी एक दुकान से पुस्तकें या यूनिफार्म खरीदने के लिए दबाव नहीं बनाया जा सकता। होता यह है कि एक स्कूल तीन या चार दुकानदारों को अपने स्कूल की किताबें बेचने का ठेका दे देते हैं। अब चार दुकानों पर वह किताबें या यूनिफार्म मिल रही है, मतलब किसी एक दुकान पर खरीदने के लिए कोई दबाव नहीं बनाया गया। सभी जगहों पर प्रकाशक की कमाई, स्कूल और पुस्तक विक्रेता का कमीशन मिलाकर कोर्स की किमत 05 से 15 हजार तक पहुंच जाती है। यह सभी वसूली जाती है अभिभावकों से।

पढ़े जबलपुर में क्या हुआ...

जबलपुर जिले में पेरेंट्स को महंगी किताबों से राहत दिलाने के लिए बड़ी पहल की गई है। यहां लगाए गए पुस्तक मेले में आधी कीमत पर स्कूली किताबें मिल रही हैं। जबकि यूनिफॉर्म, स्कूल बैग और अन्य स्टेशनरी पर भी 20 से लेकर 50 प्रतिशत तक डिस्काउंट दिया जा रहा है। इसका फायदा जिले के 1800 स्कूल में पढ़ने वाले पहली से बारहवीं क्लास तक के 04 लाख स्टूडेंट्स के पेरेंट्स को मिलेगा। खास बात यह है कि यहां स्टूडेंट्स को करियर काउंसिलिंग भी कराई जाएगी। वहीं, अगर कोई अपनी पुरानी किताबें डोनेट करना चाहता है तो बुक बैंक में दे सकता है। मंगलवार शाम को मेले का उद्घाटन लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने किया। मेले में 57 स्टॉल लगाए गए हैं, जहां किताबों पर 50 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। एनसीईआरटी की किताबें भी काफी कम दामों में उपलब्ध हैं। प्रकाशक एवं बुक सेलर्स श्रीकांत इंदुरख्या और चंचल अग्रवाल का कहना है कि मेले से प्रतिस्पर्धा बढ़ी है। डिस्काउंट भी उसी हिसाब से देना पड़ रहा है। वैसे भी एनसीईआरटी की किताबें कम दामों की रहती है। उसके बाद भी लोगों को 02 से 03 प्रतिशत तक का डिस्काउंट दिया जा रहा है। जबलपुर बेस्ट पब्लिशर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष कुलदीप प्रवाह और सुदीप जैन ने बताया कि पुस्तक मेले में जबलपुर बेस्ड लगभग 30 पब्लिशर्स शामिल हुए हैं। सभी पुस्तकों पर डिस्काउंट दे रहे हैं। इस पुस्तक मेले के जरिए अभिभावकों तक नई-नई पुस्तकों की जानकारी सीधे पहुंच रही है।

गुरु एक्सप्रेस लगातार

अब मान लिया जाए कि अन्य पुस्तक विक्रेता भी स्कूल वालों के पसंद की वही किताबें मंगवाकर बेचे। जैसा कि आदेश में कोर्स सार्वजनिक करने के लिए कहा गया है। यहां पेंच यह फंसता है कि प्रकाशक की स्कूल से पहले ही सेटिंग है। कम दाम पर उसने यह पुस्तकें स्कूल के कहने पर पहुंचाई है। स्कूलों के अनुबंध की शर्तो के अनुसार प्रकाशक की पुस्तकें बेचने वाली कंपनी अन्य पुस्तक विक्रेता को किताबें नहीं देगी। अगर देती भी है तो उसकी किमत ज्यादा होगी। ऐसे में अभिभावकों को तो नुकसान ही है।

20 प्रतिशत स्कूल का, 20 पुस्तक विक्रेता का...

इस पूरे कमीशन के खेल में लाखों रुपए का फायदा स्कूल और पुस्तक विक्रेता को होता है। हर साल कोर्स बदलने के नाम पर प्रकाशक का नाम बदल दिया जाता है। जिससे अभिभावक नई किताबें खरीदने को मजबूर हो जाता है। इधर हर साल नए प्रकाशक से सेटिंग कर ली जाती है। इसके बाद 20 प्रतिशत कमीशन स्कूल का होता है और वहीं ठेका लेने वाले पुस्तक विक्रेता का कमीशन भी 20 प्रतिशत होता है।

रतलाम-ढोढर के बीच डबल लाईन कंप्लीट

आज ट्रैक पर स्पीड ट्रायल, 100 किमी से ज्यादा की स्पीड से दौड़ेगी ट्रेन

रतलाम, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। वेस्टर्न रेलवे रतलाम-नीमच सेक्शन के बीच डबल लाईन का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। बड़ायला चौरासी-जावरा-ढोढर रेल खंड के 25 किमी हिस्से पर डबलिंग पूरी हो गई है। अब इस ट्रैक की क्षमता जांचने के लिए 27 मार्च को स्पीड ट्रायल किया जाएगा, जिसमें ट्रेन 100 किमी प्रति घंटे से अधिक की गति से दौड़ाई जाएगी।

रेलवे ने यात्रियों और आम जनता से सुबह 09 बजे से शाम 07 बजे तक ट्रैक से दूर रहने की अपील की है। इस दौरान रेलवे गेट, अंडरपास और ओवरब्रिज का उपयोग करने को कहा गया है। बता दें कि रतलाम-नीमच 133 किमी सेक्शन में डबलिंग का कार्य चल रहा है। अब तक 45 किमी ट्रैक पर दोहरीकरण पूरा हो चुका है और ट्रेन संचालन शुरू कर दिया गया है। बाकी कार्य भी तेज गति से चल रहा है। इधर, रेलवे के कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी जल्द ही इस ट्रैक का निरीक्षण करेंगे। रेलवे के मुताबिक यह डबलिंग प्रोजेक्ट पूरा होने से ट्रेन परिचालन की गति बढ़ेगी और यात्रियों को अधिक सुविधा मिलेगी।

मंदसौर के घोड़ीबाज पिपलिया मंडी में धराए

सात जुआरी गिरफ्तार, 75 हजार रुपए नगद जप्त

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। पिपलिया मंडी पुलिस ने ग्राम चावली- लसुड़िया राठौर रोड़ पर कार्रवाई करते हुए जुआरियों की गैंग को पकड़ा है। इसमें मंदसौर के घोड़ीबाज भी शामिल है। आरोपियों के कब्जे से 75 हजार रुपए नगद भी जब्त किए गए है। पुलिस ने दो अलग- अलग मामले दर्ज किए है।

थाना पुलिस ने बताया कि ग्राम चावली-लसुडिया राठौर रोड स्थित खाल पर जुआ खेलते हुए रूपेश पिता अशोक कुमार कल्याणी निवासी अभिनंदन नगर मंदसौर, केसरसिंह पिता सोहनसिंह निवासी संजीत नाका मंदसौर, विकास पिता प्रहलाद भावसार निवासी खानपुरा मंदसौर और जाहिद मेवाती पिता नाहर खां निवासी अभिनंदन नगर मंदसौर को पकड़ा है। इनसे 40 हजार रुपए और घोड़ीदाना जब्त किया गया है।

जबकि, इसी जगह से शिव पिता तुलसीराम निवासी पदमावती रिसोर्ट के सामने अभिनंदन नगर मंदसौर, उदयलाल पिता रतनलाल राठौर निवासी तुरकिया, राकेश पिता हिरालाल राठौर निवासी तुरकिया थाना नारायणगढ़ को जुआ खेलते हुए पकड़ा है। इनके कब्जे से 35 हजार रुपए और घोड़ीदाना जब्त किया गया है।

बढ़ने लगी तपन, चूभने लगी धूप

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। अंचल में तपन बढ़ने के साथ ही धूप चुभने लगी है। इसका अंदाजा मुख्य बाजारों को देखकर लगाया जा सकता है। दोपहर में बाजारों में रौनक कम होने लगी है। लोग शाम को ही खरीददारी करने पहुंच रहे हैं। दोपहर में धूप का असर तेज हो रहा है। मंदसौर जिले में बुधवार को अधिकतम तापमान 37 डिग्री तक पहुंच गया है। जबकि न्यूनतम तापमान 19 डिग्री चल रहा है। पड़ोसी रतलाम जिले में गर्मी और ज्यादा कहर बरपाने लगी है।

मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 02 दिन तेज गर्मी का अलर्ट है। इसके बाद तापमान 1 से 2 डिग्री फिर लुढ़क सकता है। प्रदेश में पिछले सप्ताह कुछ स्थानो पर ओले-बारिश का दौर रहा। 05 दिन तक आधे से ज्यादा जिलों में मौसम बदला-बदला रहा। लेकिन, सोमवार से मौसम ने करवट बदली और गर्मी का दौर शुरू हो गया। इस दौरान सभी शहरों में पारा 3 से 5 डिग्री तक बढ़ा है।

मालवा-निमाड़ में चल सकती है लू-अगले 2 दिन में मालवा-निमाड़ यानी, इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों में लू का असर रह सकता है। जिनमें रतलाम, उज्जैन, खरगोन, खंडवा, धार आदि शामिल हैं। रतलाम को छोड़ अन्य शहरों में तापमान 38 से 39 डिग्री के बीच है। मौसम विभाग के अनुसार, सामान्यत: दिन का तापमान 40 डिग्री से अधिक या सामान्य से 4.6 डिग्री तक अधिक हो तो हीट वेव यानी लू की स्थिति मानी जाती है।

अप्रैल-मई में हीट वेव का असर ज्यादा-बता दें कि मार्च से गर्मी के सीजन की शुरुआत हो जाती है। अगले 04 महीने तेज गर्मी पड़ेगी। मौसम विभाग ने मार्च से मई के बीच 15 से 20 दिन हीट वेव चलने का अनुमान जताया है। अप्रैल-मई में हीट वेव का असर ज्यादा हो सकता है। इस कारण 30 से 35 दिन तक गर्म हवा चल सकती है।

चतुर्थ पुण्य स्मरण

आप बहुत याद आते हो...

स्व. श्री जगदीशचंद्रजी सोनी 'माहेश्वरी'

स्वर्गवास-दिनांक 27 मार्च 2021

****** श्रद्धानवत ******

* सोनी (माहेश्वरी) परिवार, मंदसौर-जावरा

* मंत्री परिवार, बांसवाड़ा (राज.)

* मण्डोवरा परिवार, पाटन (गुजरात)

* सोमानी परिवार, कुचड़ोद

विधायक का मुख्यमंत्री पर आरोप, कहीं तीर उल्टा वापस ना हो जाए..!

मंदसौर/उज्जैन, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। पूर्व सांसद एवं वर्तमान आलोट विधायक चिंतामणी मालवीय द्वारा अपनी ही सरकार और अपने ही जिले के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास विपक्षियों के लिए बेहतर राजनीतिक वातावरण बना रहा है। दूसरी तरफ विधायक की इस हरकत से सत्ताधारी दल भाजपा का प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय संगठन भौचक स्थिति में है। जब से प्रदेश में डॉक्टर मोहन यादव की सरकार बनी है, तब से उज्जैन का प्रत्येक भाजपाई कार्यकर्ता, पदाधिकारी इसलिए खुश है कि प्रदेश सरकार का मुखिया उनका साथी कार्यकर्ता बना हुआ है। यहां तक की गैर राजनीतिक और दबी जबान में कांग्रेसी भी दम से स्वीकारते हैं कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव हमारे शहर के हैं। साल भर में अनेकों निर्माण कार्यों की सौगात उज्जैन को दे चुके है। मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव की स्थानीय विपक्ष के नेता भी आलोचना नहीं कर पा रहे थे। ऐसे में आलोट के भाजपाई विधायक डॉ चिंतामण मालवीय ने विधानसभा में सिंहस्थ के लिए किसानों की भूमि अधिग्रहण के तरीकों पर सवाल उठाने के साथ कड़े आलोचक शब्दों के प्रयोग ने भाजपा संगठन को हतप्रभ कर दिया है।

चन्द्रमोहन भगत

क्षेत्रीय राजनीतिक जगत में सभी अच्छी तरह जानते हैं कि डॉ चिंतामण मालवीय अति अवसरवादी उच्च श्रेणी के नेता है। दर्शनशास्त्र के ज्ञाता कहलाने के बाद भी उनके व्यवहार और प्रस्तुतियों में दर्शन का जरा सा भी हिस्सा नजर नहीं आता है। विधानसभा में भी सिंहस्थ के लिए किसानों की भूमि अधिगृहण का प्रश्न उठाने के साथ यह भी कह गए की प्रतिभा से कमाया हजारों करोड़ रुपए के बावजूद रखने के लिए कब्र में जेब नहीं होती है! इसका तात्पर्य राजनीतिक क्षेत्र में यही माना जा रहा है की भारी अवैध लेनदेन कर मोहन सरकार ने अधिग्रहण की योजना बनाई है! विधायक मालवीय ने यह भी सदन में कहा कि कुछ कालोनाइजरों को लाभ पहुंचाने और ग्लोबल समिट में काला धन लगाने वाले आगे थे। जाहिर है ऐसे अनर्गल आरोप अगर सदन में सत्ता पक्ष का साक्षर विधायक लगाएगा तो सरकार के विरोधी, और अन्तर्विरोधी अति सक्रिय होंगे ही।

उज्जैन संभाग की राजनीति को समझने वाले जानते हैं कि चिंतामण मालवीय किस तरह के अवसरवादी राजनीतिक हैं। जब तक पद पाने के लिए संघर्षरत थे, तब जो इनके अभिन्न मित्र कार्यकर्ता मददगार हुआ करते थे, सांसद बनने के बाद दूर कर दिए गए थे। सांसद बनने के बाद जिस तरह से खुद को नियम विरुद्ध प्रोफेसर बताने लगे थे। अपने कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज कर निजी एनजीओ की भरपूर मदद कर अपने ही पार्टी के लोगों को नाराज करते रहे थे। नतीजा यह रहा था कि सभी वरिष्ठों की शिकायत पर दूसरी बार सांसद प्रत्याशी नहीं बनाया गया था। अबकी बार फिर से उज्जैन के बाहर रतलाम जिले की आलोट सीट पर इन्हें विधायक प्रत्याशी बनाया गया था।

अपनी आदत अनुसार अपनी सरकार को अपना निजी महत्व दर्शाने के लिए या मुख्यमंत्री से शैक्षणिक स्पर्धा के कारण विरोध करने पर उतर आए हैं? अगर किसान हितैषी होते तो सांसद रहते जिस तीन किसान विरोधी नियमों पर देश भर में विरोध हुआ था, कथित रूप से 700 किसान मरे थे। जिन्हें केंद्र सरकार को वापस लेना पडा था तब संसद में आवाज उठाते!

आज विधायक चिंतामण जिस तरह का किसान दर्शन प्रस्तुत कर सरकार को घेर रहे हैं। अगर सरकार ने इनके पूर्व के क्रियाकलापों को लेकर घेरना शुरू कर दिया तो बगले झांकते फिरेंगे। हालातो पर नजर डालें तो सदन में ही उज्जैन उत्तर के विधायक अनिल जैन ने जवाब देते हुए कहा कि पूरा सिंहस्थ मेरे क्षेत्र में आता है। प्रभावित किसान, रहवासी, अखाड़ो के संतों से मेरी लगातार चर्चा हो रही है, किसी को आपत्ति नहीं है। कुल मिलाकर वर्तमान दृश्य तो जाहिर कर रहा है कि आलोट विधायक चिंतामण मालवीय ने उड़ता तीर पकड़ लिया है। अगर चोट खाने से पहले पैंतरा न बदला तो यह मामला उन्हें राजनीतिक चोट पहुंचा सकता है..?

विचार-मंथन

केवल नारों से स्थापित नहीं होता सुशासन...

बिहार में जब सुशासन के दावे के साथ नीतीश कुमार सत्ता में आए थे, शुरू में कुछ समय तक सख्ती रही और आपराधिक गिरोह दुबक कर बैठे दिखे थे। मगर फिर उन्होंने सिर उठाना शुरू किया, तो उन पर काबू पाना नीतीश सरकार के लिए चुनौती ही बना रहा। कई बार ऐसा लगता है कि अपराधियों के भीतर पुलिस और कानून का कोई खौफ नहीं रह गया है। वे सरेआम किसी की हत्या कर बड़ी आसानी से निकल भागते हैं और पुलिस उन्हें पकड़ नहीं पाती। खुद वहां की पुलिस पर भी अक्सर हमले होते रहते हैं। अगर सचमुच वहां कानून-व्यवस्था चुस्त होती, सुशासन के दावे हकीकत होते, तो नीतीश कुमार के इतने लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने के बावजूद आए दिन हिंसक घटनाएं इस तरह नहीं हो पातीं और न पुलिस इस कदर कभी लाचार नजर आती। इसका ताजा उदाहरण राज्य की राजधानी में एक अस्पताल में घुस कर बदमाशों का गोली चला कर अस्पताल प्रबंधक को जान से मार देना है। उस दिन पूरे शहर में बिहार दिवस के जलसे आयोजित थे और बदमाश शाम के छह बजे अस्पताल के भीतर घुसे, अस्पताल की निदेशक महिला की गोली मार कर हत्या कर दी और बड़े आराम से निकल गए। यह कोई पहली ऐसी घटना नहीं है, जब बदमाशों ने इस तरह किसी की हत्या कर दी। कभी कहीं जातीय हिंसा भड़क उठती है और लोग मारे जाते हैं, तो कभी कहीं किसी वैमनस्य के कारण किसी की हत्या कर दी जाती है। ताजा घटना के पीछे भी आपसी वैमनस्य बताया जा रहा है। इस संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि किसी मरीज के परिजनों की अस्पताल की चिकित्सा व्यवस्था को लेकर कोई नाराजगी रही हो। पर किसी की किसी से नाराजगी का अर्थ यह नहीं होता कि वह मनमाने तरीके से किसी की जान ले ले। अस्पतालों और चिकित्सा कर्मियों की सुरक्षा को लेकर पिछले कुछ समय से गहरे सवाल उठते रहे हैं। कुछ समय पहले ही पश्चिम बंगाल के अस्पताल में प्रशिक्षु चिकित्सक की हत्या के बाद देश भर के डाक्टरों ने अपनी सुरक्षा को लेकर आंदोलन किया था। तब सरकार ने उनकी सुरक्षा का भरोसा दिलाया था। सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस दिशा में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। उससे पहले भी दिल्ली आदि के चिकित्सक अस्पतालों में तैनात चिकित्सा कर्मियों की सुरक्षा का सवाल उठते रहे हैं। ऐसा नहीं माना जा सकता कि बिहार सरकार इस बात से अनजान है। अगर वहां प्रशासन सचमुच अस्पतालों और चिकित्सा कर्मियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर होता, तो ऐसी घटना शायद न घटने पाती। सुशासन केवल नारों से स्थापित नहीं हो जाता, उसके लिए अपराधियों में कानून का भय पैदा करना पड़ता है। नीतीश कुमार सरकार सुशासन के दावे तो खूब करती रही है, पर हकीकत यही है कि बिहार के अपराधियों में कानून का कोई भय नहीं है। सवाल यह है कि अगर 2005 से पहले के शासनकाल पर जंगल राज होने का आरोप लगाया जाता था, तो आज अपराधियों के इस तरह बेखौफ हो जाने और कानून व्यवस्था के लाचार दिखने को किस रूप में देखा जाएगा। जहां अपराधी पुलिस पर हमले करने से न हिचकते हों, वहां सुशासन या बेहतर कानून-व्यवस्था का भला कैसे दावा किया जा सकता है। कोई भी सरकार लंबे समय तक अपने पहले की सरकारों पर किसी अव्यवस्था का दोष मढ़ कर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकती। बिहार में हिंसा और अपराध का पुराना इतिहास रहा है, इसलिए नीतीश सरकार यह मान कर आश्वस्त नहीं हो सकती कि सरकार बदलने के साथ ही वह प्रवृत्ति भी बदल गई। उसे बदलने के लिए जमीनी स्तर पर अभी तक शायद गंभीरता से काम होना बाकी है।

छावा विवाद से किसका नफा, किसका नुकसान...

उमेश चतुर्वेदी

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना अभिनीत फिल्म 'छावा' फिल्म के चलते मुगल बादशाह औरंगजेब इन दिनों चर्चा में है। औरंगजेब भी चर्चा में तब आया, जब मुंबई के एक विधायक अबू आजमी ने उसकी प्रशंसा कर दी। इसके बाद विवाद इतना बढ़ा कि महाराष्ट्र से लेकर देश की राजनीति सुलगने लगी। वामपंथी और राष्ट्रवादीय ऐतिहासिक दृष्टि तो पहले से ही औरंगजेब को लेकर बंटी हुई है, ऐसे में राजनीति नहीं बंटती तो हैरत ही होती। राजनीति के इस बंटवारे पर निगाह जमाए बैठी भारत विरोधी ताकतों को मौका मिला और नागपुर में दंगा फैल गया। अब दंगे की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, पता चल रहा है कि औरंगजेब को लेकर जैसे-जैसे विवाद बढ़ा, धार्मिक आधार पर वैचारिक ध्रुवीकरण बढ़ा। इसने सामाजिक समरसता के पथ के नीचे जैसे बारूद बिछा दी। इस बारूद के इंतजार में बैठी भारत विरोधी ताकतों को मौका माकूल लगा और उन्होंने अफवाह की माचिस धीरे से जलाकर बारूद के ढेर पर फेंक दी। नागपुर के दंगों में बांग्लादेशी कनेक्शन के संकेत तो यही हैं। समाजशास्त्री और चुनाव शास्त्री मानते हैं कि धार्मिक ध्रुवीकरण का फायदा राजनीति के उस हिस्से को होता है, जो मध्यमार्गी नहीं होती। उन्हें इसमें एक और तथ्य भी जोड़ देना चाहिए कि ध्रुवीकरण का फायदा राष्ट्रविरोधी ताकतों को भी मिलता है। तीन सौ साल पुराने शहर नागपुर का दंगों की आग में झुलसना तो यही बताता है। यह भी ध्यान देने की बात

है कि नागपुर में अब तक कभी दंगा नहीं हुआ। बाबरी ध्वंस के बाद महाराष्ट्र के कई इलाके जब सुलग रहे थे, तब भी नागपुर शांत था। लेकिन औरंगजेब के चरित्र पर जब 'छावा' फिल्म ने सवाल उठाए तो नागपुर जल उठा। औरंगजेब महान था या क्रूर, इसे लेकर इतिहासकार कभी एकमत नहीं हो सकते। वैसे इतिहास लेखन की जो नई धाराएं हैं, उनमें किसी भी ऐतिहासिक शख्सियत का सम्यक मूल्यांकन नहीं होता। बल्कि इतिहासकार अपने-अपने वैचारिक खेमे के लिहाज से अपनी सरपरस्त राजनीतिक धारा को फायदा पहुंचाने को लेकर ऐतिहासिक चरित्रों को पेश करता है। औरंगजेब के चरित्र को लेकर लिखे गए इतिहास की भी यही कहानी है। यह बताने की जरूरत नहीं कि औरंगजेब को वामपंथी इतिहासकार महान शासक बताते रहे हैं। स्कूली पाठ्यक्रमों में औरंगजेब के बारे में पढ़ाया ही जाता रहा है कि बादशाह होने के बावजूद वह टोपी सिलकर और कुरान बेचकर अपना खर्च चलाता था। इस तथ्य को स्कूली स्तर से ही भारत की दो पीढ़ियों में इस कदर घोलकर पिला दिया गया है, उसके अन्य क्रूर कार्यों की छाप कहीं नेपथ्य में चली जाती है। बेशक औरंगजेब कुरान बेचकर और टोपी सिलकर अपना दैनंदिन खर्च चलाता था, लेकिन यह भी सच है कि उसने सल्तनत अपने नाम करने के लिए अपने ही भाई दाराशिकोह की हत्या करा दी थी, अपने ही पिता शाहजहां और माता को आगरा के किले में कैद कर रखा था। औरंगजेब के खाते में अपने शासन के दौरान हिंदुओं पर तरह-तरह के अत्याचार भी दर्ज हैं। नागपुर के दंगों को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने जो कहा है, उसे लेकर भी विवाद हो रहा है। फड़णवीस ने कहा है कि छावा फिल्म को लेकर मुस्लिम समुदाय में गुस्सा था। वैसे नागपुर में अफवाह फैलाई गई कि कुरान को जलाया जा रहा है। इसके बाद नागपुर का मुस्लिम समुदाय आक्रामक हो उठा और देखते ही देखते संतरा उत्पादन इलाके की राजधानी के रूप में विख्यात नागपुर धधक उठा। जब से शिवसेना के रास्ते बीजेपी से अलग हुए हैं, तब से उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना बीजेपी और उसके मराठी अगुआ देवेंद्र फड़णवीस पर हमले और तंज कसने का कोई मौका नहीं छोड़ती। मराठी मानुष की नजर में हिंदू हृदय सम्राट रहे बाला साहब देवरस की वैचारिक उत्तराधिकारी होने का दावा करने वाली शिवसेना के लिए देवेंद्र फड़णवीस का बयान बढ़िया अवसर लगा। उसने देवेंद्र फड़णवीस पर हमला बोल दिया। उद्धव की शिवसेना इस बहाने देवेंद्र को यह साबित करने में जुटी रही कि दरअसल वे सिर्फ हिंदुओं के वोट के लिए हिंदुतव की राजनीति करते हैं, अलबत्ता उनका नजरिया दूसरा है। यह बात और है कि बीजेपी की ओर से शिवसेना के बयानों पर वैसी प्रतिक्रियाएं नहीं आई हैं, जैसी उसकी प्रतिक्रिया अबू आजमी के बयान के बाद आई थी, जिसमें आजमी ने औरंगजेब की प्रशंसा की थी। अगर हम मान लेते हैं कि छावा की वजह से मुस्लिम समुदाय में गुस्सा था, क्योंकि इस फिल्म में औरंगजेब के चरित्र को उनके जेहनी छवि से अलग रूप में पेश किया गया है, तो इसका मतलब यह है कि फिल्म किताब की तुलना में कहीं ज्यादा प्रभावी माध्यम है। यह फिल्म मराठी के मशहूर उपन्यासकार शिवाजी सावंत के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित है। दिलचस्प यह है कि यह उपन्यास करीब 46 साल पहले 1979 में प्रकाशित हुआ था, जिसका हिंदी समेत कई अन्य भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। छावा का मतलब बच्चा या बेटा होता है। यह उपन्यास शिवाजी के बेटे संभाजी के जीवन पर केंद्रित है। इस उपन्यास में छत्रपति संभाजी के साथ औरंगजेब के युद्ध और मराठा साम्राज्य पर औरंगजेब के अत्याचार की कहानियां हैं। फिल्म में इसे ही उभारा गया है। वैसे एक सवाल यह भी उठता है कि ऐतिहासिक चरित्रों को लेकर कोई समुदाय इस कदर क्यों खुद की भावनाओं को जोड़ लेता है ? औरंगजेब के चरित्र को लेकर इतना गुस्से में भरने की जरूरत ही क्यों पड़े कि अपने आज के पड़ोसियों के साथ विवाद खड़ा करना पड़े। अगर किसी चरित्र का ऐतिहासिक स्वरूप क्रूरता से भरा है तो क्रूरता का बचाव ही क्यों करना? सवाल राजनीति से भी पूछे जा सकते हैं कि राजनीतिक लाभ-हानि के हिसाब को कब परे रखकर ऐतिहासिक चरित्रों का समग्रता से मूल्यांकन करेगी? सवाल यह भी उठ सकता है कि क्या हम इतिहास को लेकर रोज-रोज के अपने रिश्तों को इतना बिगाड़ लेंगे कि हम वर्तमान में अपने साथियों और पड़ोसियों के साथ सुकून के साथ बैठ नहीं सकें, दो बोल बोल नहीं सकें। सवाल इतिहासकारों से भी पूछा जाना चाहिए कि वे कब अपनी वैचारिक खेमेबाजी से उठकर किसी ऐतिहासिक घटना और चरित्र का आकलन करेंगे और कब तक अपने वैचारिक आकाओं के राजनीतिक मोहरे बनते रहेंगे? इन सबमें दिलचस्प यह है कि छावा फिल्म के जरिए फिल्मकार की मोटी कमाई हो रही है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक यह फिल्म साढ़े सात सौ करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर चुकी थी।

अपने से नीचे तबके पर हमेशा शासन करता आया है धनाढ्य वर्ग

महेश परिमल

समाज की कुछ विडंबनाएं हमेशा हमारे सामने होती हैं, जिसे हम अक्सर अनदेखा कर देते हैं। मगर जब कभी स्थिर मन से हम इस पर विचार करने लगते हैं, तब जाकर लगता है, सचमुच ये कैसी विडंबनाएं है, जो हमारे आसपास होते हुए भी हमसे दूर ही रहीं। ऐसा होना नहीं चाहिए था, लेकिन होता रहा और हम जाने-अनजाने उसे समझ सकने या उसे रोक पाने में असमर्थ रहे या हमने सचेतन उसे रोका नहीं। इसे एक उदाहरण के रूप में देखा जा सकता है कि एक मजदूर एक कुंतल वजन अनाज के बोरे को उठा सकता है, लेकिन उसकी आय और क्रयशक्ति इतनी नहीं है कि जरूरत होने पर भी वह आसानी से उसे खरीद सके। दूसरी ओर, जो व्यक्ति आसानी से एक कुंतल अनाज के बोरे को खरीद सकता है, वह उसे उठा नहीं पाता। पैठणी साड़ी के एक-एक धागे को बुनने वाली मजदूर महिला उसे खरीद नहीं सकती। वह साड़ी उसके हाथों में होती है और अगर उसके पास कहीं होती है तो बस उसके सपनों में। हाथों की लकीरें सपनों को बुनने का ही काम कर सकती हैं। इसी तरह कुछ और विडंबनाएं हैं। जैसे लाखों के गहने बनाने वाले कारीगर उसे चाहकर भी खरीद नहीं पाते। वे गहने उनके हाथों से फिसलकर दूसरे हाथों तक पहुंचते हैं। मकान बनाने वाले कारीगरों का भी यही हाल है। कई मंजिला इमारत बनाने वाले कहीं झोपड़ी में ही रहते हैं। उनकी झोपड़ी का आसमान पास की ऊंची-ऊंची इमारतों से भी बड़ा होता है। ऊंची इमारतें उनके लिए नहीं होती हैं। बल्कि जिन इमारतों को उन्होंने अपनी मेहनत से बनाया होता है, तैयार हो जाने के बाद उन इमारतों के परिसर में उनका प्रवेश प्रतिबंधित या शर्तों पर आधारित होता है। यह कैसी व्यवस्था है कि जिनके हाथों की वजह से हमारी जिंदगी आसान होती है, देश का निर्माण होता है, वही कई बार न्यूनतम सुविधाओं से भी वंचित होते हैं। बहरहाल, ये तो हुई सपनों की बातें। अब अगर इसे ही सच्चाई के धरातल से देखें तो हमें ककहरा पढ़ाने वाले शिक्षकों से आज हम बहुत ही आगे हैं। न केवल धन से, बल्कि कई स्तर पर ज्ञान से भी। पुराने शिक्षक जब मिलते हैं, तब अपनी उपलब्धि बताते हुए हम गर्व से भर उठते हैं। उस वक्त हम यह भूल जाते है कि हमारी इस ज्ञान की इमारत की बुनियाद में

उसी शिक्षक का ककहरा होता है। कुछ इसी तरह की विडंबनाओं से होकर हमारा समाज गुजरता है। चूंकि हम भी समाज के ही एक अभिन्न अंग हैं, इसलिए यह आवश्यक हो जाता है कि हम इन विडंबनाओं को समझें कि आखिर यह स्थिति आई ही क्यों? सामाजिक प्राणी होने के नाते भी हमें यह समझना होगा कि समाज के विकास में हमारा क्या योगदान है? देखा जाए, तो आज हम अपने समाज के विकास में कोई योगदान नहीं कर रहे हैं। चंदे के रूप में केवल बड़ी धनराशि दे देने से ही समाज का विकास नहीं हो सकता। इसके लिए चाहिए मानव श्रम। यह भी सच है कि मानव श्रम उसी धनराशि से खरीदा जा सकता है, पर इससे बात नहीं बनती। समाज के समग्र विकास के लिए उसे चाहिए तन-मन और धन से उसकी सेवा। धन देने के लिए सभी तैयार होते हैं, पर तन-मन देने के लिए कुछ लोग ही सामने आते हैं। जब ये लोग मिलकर समाज के लिए काम करते हैं, तो एक सर्वहारा वर्ग तैयार होता है। यही वर्ग आगे चलकर समाज का प्रतिनिधित्व करता है। वास्तविक अर्थों में समाज का यही वर्ग हर जगह दिखाई देता है। स्वतंत्रता के पहले कुछ लाख अंग्रेजों ने करोड़ों लोगों पर शासन किया। धनाढ्य वर्ग सदैव अपने से नीचे तबके के लोगों पर शासन करता आया है। इनकी छत्रछाया में सारे कार्य संपादित होते हैं। मूल कार्य इसी छोटे तबके के हिस्से में आता है और वे इसे कुशलतापूर्वक कर भी लेते हैं। एक तरह से यह संतोषी जीव होते हैं। बहुत ही थोड़े में ये अपना जीवन निर्वाह कर लेते हैं। इनकी इच्छाओं का आकाश बहुत ही छोटा होता है। इस आकाश के नीचे वे सभी समा जाते हैं। दूसरी ओर अनंत इच्छाओं के मालिक अपनी अपार संभावनाओं के चलते इस वर्ग को अपने साथ लेकर सामाजिक कार्य में अपना योगदान देते हैं। धनाढ्य वर्ग को समाज के विद्रूप दिखाई नहीं देते। अगर कोई विद्रूप दिखाई देता भी है।

महावीर स्वामी की शिक्षाओं से क्या सीखें

बाजार की भीड़ में, ट्रैफिक के शोर में, भागते समय के पहियों के नीचे, क्या कभी रुक कर हमने अपने भीतर झांकने की कोशिश की है? जिस आत्मा के साथ हम इस दुनिया में आए, क्या वह आत्मा अब भी वैसी ही शांत, निर्मल और उज्ज्वल है? शायद नहीं। और यही वह क्षण है जब महावीर स्वामी की वाणी की गूंज हमें भीतर तक झकझोर देती है। उन्होंने ही कहा था- परिग्रह (मोह, लोभ) ही दुखों की जड़ है। महावीर स्वामी, जिनका जन्म राजमहलों में हुआ, उन्होंने वह सबकुछ त्याग दिया, जिसे हम जीवन की उपलब्धि मानते हैं। क्यों? क्योंकि उन्होंने जान लिया था कि बाहरी दुनिया की दौलत हमें भीतर की शांति नहीं दे सकती। आज हम भी उन्हीं महलों के नए रूप ङ्क बड़ी गाड़ियां, मोबाइल, चमकदार कपड़े, सोशल मीडिया की वाहवाही आदि में उलझे हैं। लेकिन क्या इन सबसे हमें सच्चा सुकून मिलता है? शायद नहीं। महावीर की पहली और सबसे बड़ी शिक्षा है ङ्क अहिंसा परमो धर्मः हम सोचते हैं, मैंने किसी को मारा नहीं, तो मैं अहिंसक हूं। लेकिन क्या यह पूरा सच है? हमारी वाणी की हिंसा - किसी को कटु बोल देना, किसी का अपमान कर देना, किसी की निंदा करना - ये सब हिंसा नहीं है क्या? आज के इस असहिष्णु समय में, जहां छोटी-छोटी बातों पर रिश्ते टूट रहे हैं, वहां अगर हम केवल महावीर की अहिंसा को जी लें, तो दुनिया कितनी सुंदर हो सकती है। अहिंसा केवल तलवार न उठाना नहीं है, विचारों, वाणी और व्यवहार से किसी को आहत न करना भी अहिंसा है। दूसरी महत्वपूर्ण सीख है सत्य। महावीर कहते हैं, जीवन में जो भी कहो, सोच-समझ कर कहो, और वही कहो जो सच हो। लेकिन क्या हम ऐसा करते हैं? हम अपने बच्चों से, मित्रों से, जीवन साथी से, ऑफिस में ङ्क हर जगह झूठ का सहारा लेते हैं। कभी डर के कारण, कभी अपने स्वार्थ के कारण। पर क्या यह झूठ हमें सुख देता है? नहीं। हर झूठ के पीछे छिपा डर, हमारी आत्मा को कचोटता रहता है। सत्य की राह पर चलकर ही मन हल्का, शांत और मुक्त होता है। महावीर की तीसरी शिक्षा है अपरिग्रह (त्याग) आज की दुनिया में हम जितना जमा करते हैं, उतने ही उलझते जाते हैं। मकान, गाड़ी, पैसे, कपड़े, गहने सब जमा करते हैं, फिर भी मन खाली है। महावीर कहते हैं, जितना छोड़ोगे, उतना ही हल्के हो जाओगे। क्या आपने कभी पुराने कपड़े, बेकार सामान, फालतू की चीजें दान की हैं? उस खालीपन में जो सुकून है, वही असली धन है। आज अगर हम अपने जीवन से फालतू चीजें न केवल भौतिक वस्तुएं, बल्कि बेकार की सोच, गुस्सा, नफरत ङ्क हटा दें, तो हमारे पास एक खाली, सुंदर जगह बचती है, जहां शांति का वास हो सकता है। संयम, महावीर की चौथी शिक्षा है। आज हमारी दुनिया असंयम की दुनिया बन चुकी है खाने में, बोलने में, खर्च करने में, रिश्तों में। हर चीज़ 'तुरंत चाहिए' की दौड़ में हम संयम खो चुके हैं। अगर हम बोलने में संयम रखें, तो न लड़ाई होगी, न रिश्ते टूटेंगे। खाने में संयम रखें, तो शरीर स्वस्थ रहेगा। पैसों के खर्च में संयम रखें, तो चिंता नहीं होगी। महावीर की ये पंक्तियां हमें रोज याद करनी चाहिए- मनुष्य खुद अपने भाग्य का निर्माता है। जितना खुद को जानोगे, उतना मुक्त हो जाओगे। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

मुख्यमंत्री ने किया जनसंपर्क विभाग के मोबाइल ऐप का लोकार्पण

सरकार की नीतियों, योजनाओं और समाचारों की त्वरित व सटीक जानकारी सीधे मोबाइल पर होगी प्राप्त

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने जन्म दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में जनसंपर्क विभाग द्वारा विकसित मोबाइल ऐप का लोकार्पण किया। इस ऐप से प्रदेशवासियों को सरकार की नीतियों, योजनाओं और महत्वपूर्ण समाचारों की त्वरित व सटीक जानकारी सीधे मोबाइल पर ही प्राप्त हो सकेगी। मोबाइल ऐप पर समाचार, फोटो गैलरी, वीडियो गैलरी, मंत्री परिषद के निर्णय, आलेख, विभिन्न विभागों की वेबसाइट के लिंक, जिलों के समाचार

तथा मंत्रिमंडल के सदस्यों, कमिश्नर और कलेक्टर की सूची आसानी से प्राप्त हो सकेगी। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाडे, संचालक जनसम्पर्क श्री अंशुल गुप्ता तथा सोशल मीडिया विशेषज्ञ उपस्थित थे।आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. खाडे ने अवगत कराया कि जनसम्पर्क विभाग के पोर्टल mpinfo.org H$m Android Based मोबाइल ऐप तैयार किया गया है। मोबाइल ऐप में मुख्यमंत्री के लाइव कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण देखा जा सकेगा।

मुख्यमंत्री एवं मंत्रीगण से जुड़े समाचार सिंगल क्लिक पर ऐप में उपलब्ध होंगे। ऐप पर स्क्रीन रीडर की भी सुविधा दी गई है, जिससे यूजर आसानी से समाचार सुन सकेंगे। उन्होंने बताया कि ऐप में वॉइस सर्च की सुविधा दी गई है, जिससे यूजर आसानी से आवश्यकता अनुसार कंटेंट सर्च कर सकते हैं। ऐप पर व्हाट्सऐप एवं अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर शेयर करने की लिंक भी दी गई है, इससे सुगमता से कंटेट को सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर शेयर किया जा सकेगा। मोबाइल ऐप पर पुश नोटिफिकेशन की सुविधा भी दी गई है, इसके माध्यम से समाचार को सभी यूजर्स तक पुश किया जा सकता है।आयुक्त भू-अभिलेख श्रीमती अनुभा सिंह ने बताया कि केन्द्र सरकार की एग्रीस्टेक परियोजना अंतर्गत प्रदेश में किसानों के लिए फार्मर रजिस्ट्री की शुरुआत की गई हैं। इसमें प्रत्येक किसान के लिए एक यूनिक फार्मर आईडी बनायी जा रही है। फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से किसानों का एक डाटावेस तैयार किया जा रहा है। जिससे किसानों को कम्प्यूटरीकृत प्रक्रिया से आसान ऋण प्राप्त करने के साथ विभिन्न योजनाओं के लिए भूमि, फसल और कृषकों की जानकारी का सत्यापन इलेक्ट्रानिक प्रक्रिया के माध्यम से किया जा सकेगा। इससे भौतिक दस्तावेजों को प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी।

माधव जिले में प्रथम

पिपलियामंडी, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कनघट्टी कृष्णा पब्लिक स्कूल में अध्ययनरत छात्र माधव पिता दिलीप लौहार ने उत्कृष्ट विद्यालय की चयन परीक्षा में 78 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस वर्ष कृष्णा पब्लिक स्कूल कनघट्टी से 10 छात्र-छात्राओं का चयन हुआ। वहीं छात्रा खुशी पिता मुकेश नागरिया का चयन नवोदय विद्यालय के लिए भी हुआ।

जया को सुयश

पिपलियामंडी, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। करनी इंटरनेशनल स्कूल मंदसौर में कक्षा नवीं में अध्ययनरत जया पिता दीपक सोलंकी (मंदसौर) ने 72.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

गर्मी के दिनों में किसी भी गांव में कोई पेयजल समस्या ना रहें-चंद्रा

कलेक्टर की अध्यक्षता में ग्रीष्म काल में पेयजल समस्या के समाधान सम्बंधी बैठक सम्पन्न

नीमच, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिले में जल निगम एवं लो.स्वा.यां.विभाग यह सुनिश्चित करें कि आगामी ग्रीष्मकाल में जिले के किसी भी ग्राम में पेयजल की कोई समस्या ना हो। अभी से समस्या मूलक एवं समस्या संभावित गांवों में पर्याप्त पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था कर ली जाए। जल निगम के कार्यो की वजह से जिन गांवों की पेयजल योजनाए क्षतिग्रस्त होकर बंद हो गई है। उन सभी गांवों की पेयजल योजनाओं की मरम्मत जल निगम सात दिवस में करवाकर जल प्रदाय प्रारंभ करवाएं।

यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने बुधवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में आयोजित ग्रीष्मकाल में सम्भावित पेयजल समाधान के समाधान संबंधी समीक्षा बैठक में जल निगम एवं लोक.स्वा.या.विभाग के अधिकारियों को दिए। बैठक में विधायक नीमच श्री दिलीप सिंह परिहार एवं विधायक मनासा श्री अनिरूद्ध मारू , जिला पंचायत सीईओं श्री अमन वैष्णव सभी जनपद सीईओं , लोक.स्वा .या. विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री एस.सी .जलोनिया, सभी सहायक यंत्री , उपयंत्री व जल निगम के महाप्रबंधक श्री जितेन्द्र सिंह राणावत व अन्यव अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में लोक .स्वा.यां विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री जलोनिया ने बताया कि जिले में

पेयजल समस्या से सम्बधित सूचनाओं के आदान- प्रदान के लिए दूरभाष नम्बर 07423-230192 पर जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। विधायक नीमच व मनासा ने कंट्रोल रूम का नम्बर ग्राम पंचायतों के सूचना पटल पर लिखवाने का सुझाव दिया। कंट्रोल रूम में अब तक 5 शिकायतें प्राप्त हुई है। उनका 24घंटे में निराकरण करवाकर हेण्डपंप चालू करवा दिए गये है। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि, जिले की 16 गौशालाओं में सौलर प्लाट स्थापित कर सीएसआर मद से सोलर पंप भी स्थापित किए जायगे। विधायक श्री परिहार ने नवीन नलकूप खनन के लिए ग्रामीणों की मांग के आधार पर प्रस्ताव भेजने का सुझाव दिया। बैठक में लो.स्वां.यां.विभाग के कार्यपालन यंत्री ने ग्रीष्मंकाल में सम्भांवित पेयजल समस्या से निपटाने के लिए तैयार कार्य योजना की जानकारी देते हुए बताया, कि जिले में 380 बसाहटों में नवीन नलकूप खनन के कार्य प्रस्तावित है। साथ ही जलस्तर की कमी वाले नलकूपों पर 234 सिंगल फेज पंप स्थापित करने का प्रस्ताव है। जिले में 539 हैंडपंपों में पाइपलाइन बढाई जाएगी। चालू वित्तीय वर्ष में 730 सिंगलफेज पंप स्थापित किए गये है। सिंगल फेज पंप स्थापना वाले गांवों की सूची विधायकगणों को उपलब्धं करवाने के निर्देश भी दिए गये है। विधायक श्री मारू ने गांव के सार्वजनिक स्थानों पर ही नवीन नलकूप खनन करने का सुझाव दिया है। बैठक में गांधीसागर समूह जल प्रदाय योजना के कार्यो की प्रगति समीक्षा भी की गई। नीमच विधायक श्री परिहार ने ग्राम जावी में फ्लोराइड की समस्या के समाधान के लिए पूर्व में स्थापित प्लाट चालू करवाने का सूझाव भी दिया।

भगवान श्री झूलेलाल के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में कल होंगे आयोजन

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी जय झूलेलाल मंदिर समिति आनन्द विहार कॉलोनी द्वारा भगवान श्री झूलेलाल का जन्मोत्सव बड़े हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। श्री झूलेलाल जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 28 मार्च को विभिन्न धार्मिक आयोजन होंगे।

उक्त जानकारी देते हुए जय झूलेलाल मंदिर समिति ने बताया कि आनन्द विहार स्थित भगवान झूलेलाल मंदिर पर 28 मार्च को अनेक धार्मिक आयोजन होंगे। 28 मार्च को प्रात: 9 बजे आनन्द विहार गेट से भव्य शोभायात्रा निकलेगी जो झूलेलाल मंदिर पहुंचेगी। इसी दिन सायं 6.30 बजे समिति द्वारा पूज्य बहिराणा साहिब का आयोजन रखा गया हैं सायं 7 बजे भव्य भजन संध्या रोहित दादलानी एवं मयंक ज्ञानचंदानी के सहयोग से आयोजित होगी। रात्रि 8 बजे आरती एवं पल्लव पाकर रात्रि 8.30 बजे से आम भण्डारा (प्रसादी) का आयोजन होगा। जय झूलेलाल मंदिर समिति आनन्द विहार कॉलोनी के सदस्य भगवानदास वासवानी, दयाराम लवाणी, किशन लवाणी, डॉ. दिनेश शर्मा, किशोर आनंद, नितेश मोटवानी, विजय आचवानी, हेमन्त टेकचंदानी, विजय मोटवानी, टोनी टेकचंदानी, अशोक कोतक , प्रकाश दासानी शकर बेलानी, विक्रम मोटवानी, रोहित सबनानी (सवारियां ग्रुप), रोहित दादलानी, मयंक ज्ञानचंदानी, हरीश वाधवानी, देवीदास हरवानी, हरीश उत्तवानी ने भगवान झूलेलाल जन्मोत्सव पर आयोजित सभी कार्यक्रमों में उपस्थित रहकर सफल बनाने की अपील की है।

पत्रकार समाज का सच्चा सेवक होता है-मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के मुरैना में आयोजित 25 वें महाअधिवेशन का शुभारंभ मुख्यमंत्री के हाथों हुआ

मनासा, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में पत्रकारो के सबसे बडे रजिस्टर्ड संगठन मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के 25 वें त्रिवर्षीय दो दिवसीय महाअधिवेशन का शुभारंभ दिनांक 26 मार्च को दोपहर 1 बजे प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के हाथों हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के प्रदेश अध्यक्ष शलभ भदौरिया ने की वही बतौर मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, क्षेत्रीय सांसद शिवमंगल सिंह तोमर, क्षेत्रीय विधायक दिनेश गुर्जर उपस्थित थे कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा की पत्रकार समाज का सच्चा सेवक होता है बेशक जब वो अच्छी ओर सच्ची पत्रकारिता करे मे भी पत्रकारिता से ही इस मुकाम तक पहुंचा हुं, मेने पहले साप्ताहिक ओर बाद में दैनिक अखबार चलाया ओर समाज की सच्ची सेवा करने का प्रयास किया उसी का प्रतिफल है की आज प्रदेश के मुखिया के रुप मे आम जन की सेवा करने का अवसर मिल रहा है। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष शलभ भदौरिया ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्रकार हितो की 6 सुत्रीय मांग पत्र सौंपा जिनमे पत्रकार सुरक्षा कानून, पत्रकार भवन की भूमि, श्रृद्धा निधी, मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के कार्डटोल नाकों पर चलने,जैसी मांगे शामिल थी जिस पर मुख्यमंत्री ने सहज रुप से आपस मे मिल बैठकर चर्चा करते हुए समस्याओं का समाधान करने की बात कही। कार्यक्रम में बोलते हुए विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि कोई भी संगठन बनाना बहुत आसान है पर संगठन को चलाना बहुत मुश्किल काम होता है। जबकि शलभ भदौरिया पत्रकारों के इतने बडे संगठन को लंबे समय से चलाकर नेतृत्व कर रहे हैं जो अपने आप में एक मिशाल है। मुरैना चम्बल की धरा पर आयोजित महाअधिवेशन में भाग लेने के लिए प्रदेशभर से पत्रकार साथी मुरैना आए ओर कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया। आयोजन समिति के राजकुमार दुबे,रामशरण शर्मा,करतार सिंह सहित पुरी टीम ने सभी अतिथियों का स्वागत अभिनन्दन किया कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यमंत्री मोहन यादव एवं विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा मां सरस्वती की पुजन ओर दीप प्रज्वलित कर की गई। कार्यक्रम में नीमच जिलाध्यक्ष प्रदीप जैन ने भी पत्रकार हितों मे ओजस्वी उद्बोधन दिया। महाअधिवेशन में भाग लेने हेतु जिलाध्यक्ष प्रदीप जैन कैलाश राठौर चेन सिंह सोलंकी हेमन्त शर्मा कोशल व्यास निरंजन शर्मा राम निवास पाटीदार अवध शर्मा धीरज बैरागी प्रदीप मोर्य दिलीप बोराना सहित अनेक लोग मुरैना पहुंचे

दो दिवसीय महाअधिवेशन में संगठन की चुनावी प्रक्रिया भी सम्पन्न- मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ ट्रेड यूनियन के तहत रजिस्टर्ड होने से हर तीन वर्ष में प्रदेश चुनाव की प्रक्रिया होती है इसी क्रम में आज दिनांक 26 मार्च को संगठन के प्रदेश अध्यक्ष शलभ भदौरिया ने अपना नामांकन अध्यक्ष पद हेतु दाखिल किया जिस पर चुनाव अधिकारी संदीप शर्मा ने नामांकन की जांच की ज्ञात रहे आज हुई चुनाव प्रक्रिया में एक मात्र नामांकन होने से शलभ भदौरिया का पुन: प्रदेश अध्यक्ष बनना तय है। संगठन के साथियों ने शलभ भदौरिया का सिंगल नामांकन होने पर निर्वाचित मानते हुए गर्म ओर फुल मालाओं से लाद दिया।

करों में हुई वृद्धि, 30 करोड़ 43 लाख का बजट पारित

नगरी, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नगर परिषद की बजट बैठक बुधवार को नप सभाकक्ष में आयोजित हुईं बैठक में आगामी वर्ष 2025-26 का बजट पारित हुआं आगामी वित्तीय वर्ष के लिए 30 करोड 43 लाख 6 हजार चार सौ छियालीस रूपये की आय एवं 30 करोड 26 लाख 29 हजार पांच सौ के व्यय के साथ ही 6 लाख 75 हजार 5 सौ की संचित निधि के साथ 1446 रपये की बचत का बजट पारित किया गयों बैठक में आगामी अप्रैल से संपत्ति कर, सम्मेकित कर, नल जल कर के साथ ही स्वच्छता कर में वृद्धि का प्रस्ताव पारित किया गया।

नगर परिषद कार्यालय सभाकक्ष में परिषद का साधारण सम्मेलन बुधवार को आयोजित किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता श्रीमति संगीता घनश्याम बग्गड द्वारा की गई। उक्त बैठक में नगर परिषद नगरी का वर्ष 2025-26 का बजट जिसमे अनुमानित आय 30 करोड 43 लाख 6 हजार चार सौ छियालिस , अनुमानित व्यय 30 करोड 26 लाख 29 हजार 5 सौ सचित निधी 16 लाख 75 हजार 5 सौ एवं बचत 1446 का पारित किया गया तथा नगर परिषद के कर्मचारियों को वित्तीय वर्ष में अनुदान से दिए गए वेतन का समायोजन किया गया तथा आगामी वर्ष 2025-26 हेतु पूर्व में कार्यरत दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को यथावत रखने की स्वीकृति दी गई। इसके साथ ही नगर परिषद में विभिन्न वाहनों की समय सीमा शासन निर्देशानुसार अनुयोगी घोषित कर नीलामी की स्वीकृति प्रदान की गई। नगर परिषद के करों एवं शुल्को में 01 अप्रैल 2025 से वृद्धि की गई हैं। जिसमें संपत्ति कर में 10% समेकित कर 178 से 250 रूपये एवं नल जल 70 से 80 रूपये किये गऐं स्वच्छता कर भी 60 से बढाकर 180 किया गयों बैठक में बग्गड भेरूजी सीसी रोड, वार्ड क्रमांक 14 में पुलिया एवं सीसी नाली निर्माण, वार्ड क्रमांक 06 में सीसी रोड एवं नाली निर्माण, शांतिलाल धाकड के मकान से कब्रस्तान तक सीसी रोड निर्माण, मूलभूत राशि से प्रथम तौर पर बस स्टैण्ड का विकासिकरण , तथा 900 फीट कब्रिस्तान की बाउंड्रीवॉल निर्माण कार्य , तथा मांगभवन निर्माण पर लिक रिसोर्ट हेतु भूमि आवंटन पर स्वीकृति, वार्ड क्रमांक 13 के मांगलिक भवन का स्थान परिवर्तन कर वार्ड क्रमांक 15 में मांगलिक भवन का निर्माण करवाया जाना तथा केंद्रित मंत्री से विभिन्न विकास कार्यों हेतू आर्थिक सहायता की मांग, नागराज भेरूजी मेला आयोजन किया जाएगा जिसमे मेला सभापति श्रीमति अंजू भेरूलाल धाकड होगी एवं 50 नामांतरण प्रकरण डायवर्शन , पंजीकृत, वंशानुक्रम या धारणाधिकार के आधार पर स्वीकृत किए गए हैं। उक्त बैठक में विधायक विपिन जी जैन, उपाध्यक्ष घनश्याम अटोलिया , पार्षदगण राकेश रडवाडिया, सरिता कमलेश धाकड, राजू मुकेश धाकड, अनिता रामेश्वर , पीरूलाल सरगरा, मंजू नरेन्द्र धाकड, राजगोपाल टेलर , अंजू भेरूलाल धाकड, राजेश जैन, मांगीलाल मालवीय , रामेश्वर अटोलिया, भागीरथ खेर संसद प्रतिनिधी घनश्याम बग्गड एवं मुख्यनगरपालिका अधिकारी धरमचंद जैन उपस्थित थे। उक्त जानकारी नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती घनश्याम बग्गड द्वारा प्रेस में जारी की गई।

मनासा नगर परिषद ने किया वित्तीय वर्ष का बजट पेश

मनासा, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नगर परिषद मनासा का साधारण सम्मेलन दिनांक 25/03/2025 को दोपहर 01 बजे कार्यालय के परिषद सभाकक्ष में आहुत की गई। परिषद अध्यक्ष श्रीमती डॉ. सीमा अजय तिवारी, उपाध्यक्ष श्री किशोर जोलान्या, मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री रितेश कुमार पाटीदार, उपयंत्री श्री रविश कादरी एवं पार्षदगण की उपस्थिति में वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट पेश किया गया। परिषद बैठक में कुल 37 प्रस्ताव रखे गये जिसमें वित्तिय वर्ष 2025-2026 का बजट एंव वित्तिय वर्ष में सभी विभागो में आवश्यक सामग्री क्रय किये जाने की निविदा जारी करने एवं नगर विकास संबंधित निर्माण कार्यो के प्रस्ताव , दुकान नामान्तरण, भवन-भूमि नामान्तरण के करीब 227 प्रकरण रखे गये। आहूत

परिषद बैठक में सामान्य प्रशासन राजस्व एंव वित्त लेखा समिति कि सभापति श्रीमती अर्चना पुष्कर झंवर व्दारा बजट पेश किया गया जिसमें अनुमानित आय राशि रू. 37 करोड 35 लाख 21 हजार 597/- अनुमानित व्यय राशि रू. 37 करोड 34 लाख 75 हजार 000/- एंव बचत राशि रू. 46 हजार 597/- को को एकमत से स्वीकृति प्रदान की गई। प्रस्ताव क्रमांक 22 बस स्टेण्ड यात्री प्रतिक्षालय निर्माण के विधिवत ड्राईंग डिजाईन नक्क्षा सहित आगामी बैंठक में रखे जानें की सहमति दी गई है। प्रस्ताव क्रमांक 34 वन नेशन वन इलेक्शन पर कांग्रेस पार्षद श्री सत्यनारायण लक्षकार, श्री बाबुलाल कछावा, श्रीमती ज्योति रमेशजी मुंदडा व्दारा अपना विरोध दर्ज कराया गया लेकिन शेष सभी पार्षदगणों व्दारा उक्त प्रस्ताव को सर्वानुमति से पारित किया गया। बैठक में अन्य सभी प्रस्ताव को सर्वानुमति स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक पूर्णरूपेण शांतिपूर्वक वातावरण में सम्पादित हुई । अन्त में मुख्य नगरपालिका अधिकारी व्दारा सभी का आभार व्यक्त कर अध्यक्ष महोदया की अनुमति से बैठक समाप्त की गई।

नाबालिग बालिका को भगा ले गया युवक, हिन्दू संगठन ने बताया लव जिहाद..! सौंपा ज्ञापन

पिपलियामंडी, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। युवक द्वारा युवती को भगा ले जाने के मामले में विहिप बजरंगदल कार्यकर्ताओं ने लव जिहाद बताते हुए विरोध प्रदर्शन किया। गांधी चौराहे पर नारेबाजी की। बाद में पुलिस चौकी में जिला पुलिस अधीक्षक के नाम एसडीओपी को ज्ञापन सौंपकर नाबालिग बालिका को भगा ले जाने वाले आरोपी के साथ ही पिपलिया में उसे शरण देने वालों पर भी कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में बताया कि यूपी निवासी हतीफ नामक युवक पिपलियामंडी में अतीक के साथ काम कर रहा था। 22 मार्च 2025 को हतीफ पडोसी में रहने वाली 14 वर्षीय बालिका को बहला-फुसलाकर भगा ले गया। उक्त जिहादी के बालिका को भगा ले जाने से 10 दिन पहले इसका दोस्त भी भाग निकला था। जिसकी गुमशुदगी भी 22 मार्च 2025 को दर्ज कराई गई थी। जिसकी गुमशुदगी रिपोर्ट पिपलिया मंडी थाने में 22 मार्च 2025 को दर्ज है। मामले में लव जिहाद की एफआईआर की जाए। वहीं जिहादी जिसके यहां काम करता था और जिसके यहां किराए से रहता था, उन पर भी एफआईआर दर्ज जाए व बालिका को शीघ्र ढूंढकर परिजनों के सुपुर्द किया जाए, अन्यथा हिन्दू संगठन चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा, जिसकी समस्त जवाबदारी शासन-प्रशासन की रहेगी।

25 अप्रैल को मंदसौर में धूमधाम से मनेगी सेन जयंती

गुजराती सेन समाज की बैठक में लिया निर्णय, होली मिलन समारोह सम्पन्न

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। गुजराती सेन समाज मंदसौर नगर इकाई की बैठक एवं होली मिलन समारोह नगरपालिका सभागृह में सम्पन्न हुआ। जिसमें उपस्थित समाजजनों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली पर्व की शुभकामनाएं दी एवं समाज में एकता का आव्हान किया। बैठक में समाज के वरिष्ठ रामचन्द्र परिहार, सागरमल बोराना, राधेश्याम परमार मंचासीन रहे।

इस अवसर पर आयोजित बैठक में आगामी सेन जयंती को लेकर व्यापक विचार विमर्श किया गया। बैठक में निर्णय लिया कि सेन समाज के आराध्य संत शिरोमणि सेनजी महाराज की जयंती 25 अप्रैल को धूमधाम से मनाई जाए। कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा बनाये जाने हेतु पदाधिकारियों की एक बैठक आयोजित की जाएगी। तथा समाजजनों को दायित्व दिये जायेंगे। बैठक में अन्य विषयों पर भी चर्चा कर निर्णय लिये गये। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजन एडवोकेट राजेश सौलंकी, एडवोकेट उमेश परमार, राजाराम चौहान, प्रमोद चौहान, अर्जुनसेन राठौर (छोटू), अंतिम देवड़ा, गौतम वप्पा, मनीष राठौर (मोनु), दिनेश सौलंकी, ब्रजेश टांक, अशोकपरमार, जगदीश परमार, हरिश परमार, राजेश परिहार, वरिष्ठअध्यक्ष शेखरराज चौहान, युवा अध्यक्ष राकेश सेन सम्राट, राजेश चौहान, डॉ. मैयालाल सेन, अमरचंद सेन, भंवरलाल सेन, भवानीशंकर सेन, शंभुसेन राठौर सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे। बैठक का संचालन एडवोकेट राजेश सौलंकी ने किया एवं आभार एडवोकेट उमेश परमार ने माना।

जिला स्तरीय कृषक सेमीनार-कार्यशाला आज से

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। उद्यानिकी विभाग के उप संचालक श्री सोलंकी ने बताया कि उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग जिला मन्दसौर द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनान्तर्गत दो दिवसीय जिला स्तरीय कृषक सेमीनार / कार्यशाला का आयोजन 27 एवं 28 मार्च 2025 को उद्यानिकी महाविद्यालय ऑडिटोरीयम हॉल मन्दसौर में किया जाएगा। सेमीनार में कृषको, एफ.पी.ओ. एवं स्व सहायता समूह तथा खाद्य प्रसंस्कण उद्यमियों को उद्यानिकी विभाग की योजनाओं एवं उद्यानिकी फसलों की उन्नत तकनीकि, रोग तथा किट प्रबंधन के बारे में विषय विशेषज्ञो द्वारा तकनीकि जानकारी प्रदान की जावेगी। साथ ही उद्यानिकी विभाग एवं अन्य विभागों/संस्थाओं द्वार विभागीय योजनाओं एवं प्रमुख उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जावेगी।

बगीचे के सफाई अभियान में बच्चों ने की सहभागिता

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश ज़न अभियान परिषद विकासखंड मंदसौर के दलोंदा सेक्टर में विश्व जल दिवस के उपलक्ष में जिला समन्वयक तृप्ति बैरागी के मार्गदर्शन मे गतिविधि आयोजित की गई। पालक मेंटर्स रूपदेव सिंह सिसौदिया ने बताया कि मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम (समाज कार्य) के छात्र रविवार के दिन विकासखंड स्तरीय कक्षा में अध्ययन करते हैं उसके अलावा 6 दिन अपने प्रयोगशाला गांव में शासन की विभिन्न योजना एवं गतिविधियों को क्रियान्वित करने का कार्य करते है। उसी के तहत विश्व जल दिवस पर एमएसडब्ल्यू छात्र सुयश गर्ग ने अपने प्रयोगशाला गांव दलोदा में पद्मिनी विहार कॉलोनी में बगीचे में कुएं के आसपास सफाई अभियान चलाया जिसमें कॉलोनी के सभी बच्चों ने सहभागिता की और सुयश गर्ग ने उन्हें जल संरक्षण एवं स्वच्छता की शपथ भी दिलवाई। जिसमें दर्शन द्विवेदी, रोहित चौहान, यश परिहार, कृतिक पाटीदार , श्रेष्ठ मिश्रा और अन्य बच्चे उपस्थित रहे।

मंदसौर केबल एंड ब्रॉडबैंड संगठन का गठन

वाजपेई अध्यक्ष व श्रीवास्तव सचिव मनोनीत

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। डेस केबल नेटवर्क के केबल ऑपरेटर्स का होली मिलन समारोह संपन्न हुआ। इसी समारोह में मंदसौर केबल एंड ब्रॉडबैंड एसोसिएशन का भी गठन किया गया व सर्वसम्मति से कार्यकारी गठित की गई जिसमें अध्यक्ष पद हेतु श्रीकांत वाजपेई, उपाध्यक्ष प्रेम कहार, सचिव धर्मेंद्र श्रीवास्तव, सहसचिव संजय शर्मा, कोषाध्यक्ष मेंणाशंकर भावसार, देवेंद्र भावसार, संगठन मंत्री साजिद अंसारी, मीडिया प्रभारी राजेश कुलश्रेष्ठ, अनिल लालवानी को मनोनीत किया गया। कार्यकारिणी में सर्व श्री राकेश जोशी, भूपेंद्र चौधरी, मुकेश व्यास, लोकेश शर्मा, कमलेश टेलर, एजाज मेव, ब्रज सोनी अर्पित सिंह व पवनदास बैरागी आदि लिए गए।

योग एवं मेडिटेशन से संबंधित ध्यान कार्यक्रम सम्पन्न

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। शासकीय पोलीटेक्निक महाविद्यालय मंदसौर के प्राचार्य शिवशंकर शर्मा द्वारा बताया गया कि कार्यालय आयुक्त तकनीकी शिक्षा भोपाल के निर्देशानुसार शासकीय पोलीटेक्निक महाविद्यालय मंदसौर में विद्युत इनीशेटिव एवं हेल्थ क्लब के तत्वाधान में सहज योग ध्यान केन्द्र, गीताभवन, मन्दसौर से श्री महेश हनुमंत एवं श्री नरेन्द्र दख के मार्गदर्शन में योग एवं मेडिटेशन से संबंधित ध्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था के समस्त विद्यार्थी एवं स्टाफ द्वारा योग कार्यक्रम में भाग लिया गया। प्रशिक्षकों द्वारा योग के विभिन्न चरण समझाते हुए बताया कि आत्मा का परमात्मा से योग करने का सरल व सहज उपाय सहज योग है। आज के व्यस्तम जीवन में शारिरीक एवं मानसिक संतुलन प्राप्त करना अतिआवश्यक है। संस्था प्राचार्य एवं विद्युत इनीशेटिव एवं हेल्थ क्लब नोडल अधिकारी डॉ. डी. के. शर्मा द्वारा सहज योग करने के पश्चात अपनी विशेष अनुभूति को साझा किया गया तथा संस्था के अतिथि व्याख्याता डॉ. हैदर हुसैन द्वारा नियमित रूप से योग करने के लाभ बताकर छात्रों को योग हेतु प्रोत्साहित किया गया।

बड़े अस्पताल के डायलिसिस में कंबल वितरीत किए

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। इंदिरा गांधी जिला चिकित्सालय में लगातार लोकप्रिय विधायक श्री विपिन जैन की प्रेरणा से आज विधायक प्रतिनिधि श्री मनोहर नाहटा ने अपने साथियों डॉक्टर नितीन चंदवानी, उमेश नेक्स, विधायक प्रतिनिधि राजेश फरक्या, राकेश सेन, एडवोकेट योगिता बैरागी एवं डायलिसिस सेंटर के स्टाफ को मरीजों के लिए गर्मी के लिए कंफर्टेबल कंबल तकिया कवर सहित कॉटन की चादर उपलब्ध करवाए।

विधि विद्यार्थियों को अपने अधिकार एवं कर्तव्य के बारे में जागरूक रहना चाहिए

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। श्री जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय मंदसौर का राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर ग्राम भूनिया खेड़ी में आयोजित हो रहा है। शिविर के द्वितीय दिवस को विधिक साक्षरता दिवस के रूप में मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि चीफ डिफेंस काउंसिल श्री प्रमोद कुमार मेनारिया एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विनोद कुमार पाटीदार उपस्थित हुए।

श्री प्रमोद मेनारिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि विधि क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्तियों को और विधि विद्यार्थियों को अपने अधिकार एवं कर्तव्य के बारे में जागरूक रहना चाहिए। प्राचार्य डॉ विनोद पाटीदार ने कहा कि विद्यार्थी राष्ट्रीय सेवा योजना से जो कुछ भी सीखेंगे वह सब उनके भावी जीवन में सहयोगी होगा। कार्यक्रम अधिकारी डॉ राजेश कुमार कौशिक ने गतिविधियों की जानकारी दी, इस अवसर पर श्री सुनील कुमार बडोदिया ने भी शिविर को संबोधित किया, बौद्धिक कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों द्वारा मां शारदे एवं विवेकानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन किया गया इस अवसर पर प्राध्यापक चंचल शर्मा एवं हेमलता चौहान भी उपस्थित थी।रासेयो गीत की प्रस्तुति रानू गुर्जर एवं चेतना परिहार ने दी। कार्यक्रम का संचालन शिविरार्थी प्रार्थना जोशी ने किया।

भारतीय नववर्ष विक्रम 2082 सिद्धार्थ नामक सम्वत्सर का श्रीगणेश होगा

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। हिंदू नववर्ष हर वर्ष चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा को मनाया जाता है. यह दिन भारतीय पंचांग के अनुसार नव संवत्सर की शुरुआत का संकेत देता है. वर्ष 2025 में हिंदू नववर्ष 30 मार्च को प्रारंभ होगा. इसी दिन विक्रम संवत 2082 की शुरुआत भी होगी, जो पूरे वर्ष धार्मिक और ज्योतिषीय दृष्टिसे महत्वपूर्ण माना जाएगा।

विक्रम संवत की विशेषताएं- ❇ चंद्र-सौर पंचांग – विक्रम संवत की गणना चंद्रमा और सूर्य की गति पर आधारित होती है, जिससे इसकी सटीकता सुनिश्चित होती है। ❇ बारह मास – इसमें चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ, श्रावण, भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक, मार्गशीर्ष, पौष, माघ और फाल्गुन नामक बारह महीने शामिल हैं। ❇ संवत्सर चक्र – यह 60 वर्षों के चक्र में संचालित होता है, जिसमें प्रत्येक वर्ष का एक विशिष्ट नाम और प्रभाव होता है। ❇ त्योहारों की गणना – सभी हिंदू त्योहार जैसे नवरात्रि, रामनवमी, दीपावली, रक्षाबंधन, होली आदि विक्रम संवत के अनुसार निर्धारित किए जाते हैं। ❇ नवसंवत्सर रविवार के दिन से शुरू हो रहा है, ऐसे में इस साल का राजा ग्रह सूर्य होंगे और नवसंवत्सर का नाम होगा सिद्धार्थ। वैसे भी सूर्य को ग्रहों का राजा माना जाता है। ❇ 30 मार्च से शुरू होंगे चैत्र नवरात्र; पंचग्रही योग में ग्रहों का सत्ता परिवर्तन, सूर्य देव होंगे नवसंवत्सर के राजा और मंत्री।

सूर्य ग्रहण – साल का पहला सूर्य ग्रहण चैत्र नवरात्रि से एक दिन पहले यानि 29 मार्च को लगने जा रहा है. यध्यपि यह ग्रहण भारत में नहीं दिखेगा तो सूतक आदि विधान मान्य नहीं होंगे।

संवत् का फल– प्रजा ज्ञान, वैराग्य से युक्त होती है। संपूर्ण पृथ्वी पर प्रसन्नता रहती है। जल-अन्न की वृद्धि होती है। प्रतिकूल जलवायु के बाद भी धान्यादि का उत्पादन होगा।

सूर्य के राजा संवत का राजा होने से अल्पवृष्टिहोने से धान्य-फल-दुग्ध का उत्पादन कम होने के आसार है। जनता को पीडा, चोर-अग्नि की बाधा व शासकों को कष्टहोगा। दुधारू पशुओं की क्षमता कम होगी। धान्य, गन्ना आदि फसलों, वृक्षों पर फल-पुष्पादि का उत्पादन कम होगा। जनता में क्रोध, उत्तेजना, कलह व नेत्र विकार बढेंगे। सूर्य के मंत्री होने से जनता में रोग, चोर व राज का भय बढेगा। अन्न का प्रचुर उत्पादन, गम्भीर रोगों से जनता त्रस्त होगी। पेयजल, गुड, दूध, तेल, ईख, फल, सब्जियों, चीनी इत्यादि रसयुक्त वस्तुओं की कमी से इनके भाव बढेंगे। जनता मंहगाई से त्रस्त होगी। चैत्र कृष्ण अमावस्या, 29 मार्च, शनिवार को गणितानुसार शाम 04 बजकर 28 मिनट पर नववर्ष का प्रवेश होगा, लेकिन यह 30 मार्च को सूर्योदय व्यापिनी तिथि के दिन से प्रारम्भ होगा। नववर्ष का शुभारंभ सिंह लग्न में होगा। वर्षलग्न का स्वामी सूर्य अष्टम भाव में पंचग्रही योग में सम्मिलित होने से आने वाला वर्ष राजनीतिक दलों के लिए परस्पर संघर्षपूर्ण, व्यक्तिगत आकांक्षा और अनेक नेताओं की छवि को धूमिल करने वाला होगा। चोरों, तस्करों, लुटेरों से जनता त्रस्त होगी। बम-विस्फोट, भीषण रेल दुर्घटना, समुद्री तूफान एवं बाढ से जन-धन की हानि होगी। भारत के दक्षिणी हिस्सों में अतिवृष्टिहोने से खडी फसलों की हानि, पश्चिमी भागों में स्वर्ण आदि धातुओं के भावों में तेजी आएगी। उत्तर भाग में अतिवृष्टि से हानि व दुर्घटनाएं होगी। इस वर्ष में श्रेष्ठ वर्षा के योग बनेंगे। जून-जुलाई में गुरु ग्रह का अस्त व उदय भी इसमें सहायक होगा। मंगल-शनि का षडाष्टक योग तथा मंगल राहु के सम-सप्तक योग के साथ 13 जुलाई से साढे चार महीने तक शनि का वक्रत्व काल कहीं अतिवृष्टितो कहीं अनावृष्टि, तूफान, भूस्खलपन, बाढ, भूकंप आदि प्राकृतिक प्रकोप करेगा। शीतकाल में शुक्र का अस्त व उदय तथा धनु व मकर राशि में चतुर्ग्रही योग बनने से ओलावृष्टि, तूफान से हानि होगी।

इस उपाय से वर्षभर रहती है आरोग्यता– इस दिन नए वर्ष के पंचांग का पूजन कर वर्षफल सुना जाता है। निवास स्थानों पर ध्वजा और बंदनवार लगाए जाते हैं। मान्यता है कि इस दिन नीम के नए कोमल पत्तों, जीरा, काली मिर्च, हींग, नमक पीसकर खाने से वर्ष भर अरोग्यता रहती है।

क्यू मनाते हे नव वर्ष– ब्रह्म पुराण के अनुसार, ब्रह्मा जी ने पृथ्वी की सरचना चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा के दिन की थी. इसलिए पंचांग के अनुसार हर साल चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को नववर्ष शुरू हो जाता है. इसे नव संवत्सर भी कहा जाता है.

गुड़ी पड़वा से संबंधित कुछ तथ्य...

1–नव संवत्सर के राजा– हिंदू नववर्ष की शुरुआत रविवार से आरंभ हो रही है इस कारण से नए विक्रम संवत के स्वामी सूर्य नारायण होंगे।

2–सृष्टि के निर्माण का दिन– धार्मिक मान्यता के अनुसार गुडी पडवा के दिन ही ब्रह्माजी ने सृष्टिकी रचना का कार्य आरंभ किया था और सतयुग की शुरुआत इसी दिन से हुई थी। यही कारण है कि इसे सृष्टिका प्रथम दिन या युगादि तिथि भी कहते हैं। इस दिन नवरात्रि घटस्थापन, ध्वजारोहण, संवत्सर का पूजन इत्यादि किया जाता है।

3–वानरराज बाली पर विजय– रामायण काल में जब भगवान राम की मुलाकात सुग्रीव से हुई तो उन्होंने श्री राम को बाली के अत्याचारों से अवगत कराया। तब भगवान राम ने बाली का वध कर वहां के लोगों को उसके कुशासन से मुक्ति दिलाई। मान्यता है कि यह दिन चैत्र प्रतिपदा का था। इसलिए इस दिन गुडी या विजय पताका फहराई जाती है।

4–शालिवाहन शक संवत– एक ऐतिहासिक कथा के अनुसार शालिवाहन नामक एक कुम्हार के लड़के ने मिट्टी के सैनिकों की सेना बनाई और उस पर पानी छिड़ककर उनमें प्राण फूँक दिए और इस सेना की मदद से दुश्मनों को पराजित किया। इस विजय के प्रतीक के रूप में शालिवाहन शक संवत का प्रारंभ भी माना जाता है।

5–हिंदू पंचांग की रचना का काल– प्राचीन भारत के महान गणितज्ञ एवं खगोलशास्त्री ने अपने अनुसन्धान के फलस्वरूप सूर्योदय से सूर्यास्त तक दिन, महीने और वर्ष की गणना करते हुए हिंदू पंचांग की रचना की थी। इस दिन उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य ने शकों को पराजित कर विक्रम संवत का प्रवर्तन किया था। इसी दिन भगवान विष्णु ने मत्स्य अवतार लिया था, इसी दिन से रात्रि की अपेक्षा दिन बड़ा होने लगता है।

6–भगवान राम लौटे थे अयोध्या– धर्म शास्त्रों की मान्यताओं के अनुसार गुडी पड़वा के दिन ही भगवान राम ने रावण का वध करके माता सीता और भाई लक्ष्मण के साथ अपने राज्य अयोध्या लौटे थे।

7–पहली बार छत्रपति शिवाजी ने मनाया था यह पर्व– ऐसी मान्यता है कि मुगलों से युद्ध करने के बाद जब मराठों के राजा छत्रपति शिवाजी की जीत हुई थी तब शिवाजी ने पहली बार गुडी पड़वा का त्योहार मनाया था। तभी से महाराष्ट्र में सभी लोग इस त्योहार को बड़े ही उत्साह और जोश के साथ मनाते आ रहे हैं।

8–फसल की पूजा करने का महत्व– गुडी पड़वा पर मराठियों के लिए नया हिंदू नववर्ष की शुरुआत होती है। इस दिन लोग फसलों की पूजा आदि भी करते हैं।

9–नीम के पत्ते खाने की परंपरा– ऐसी परंपरा है कि गुडी पड़वा पर लोग नीम के पत्ते खाते हैं। मान्यता है कि गुडी पड़वा पर नीम की पत्तियों का सेवन करने से खून साफ होता है और रोगों से मुक्ति मिलती है।

10– सूर्यदेव की पूजा का महत्व– गुडी पड़वा पर सूर्यदेव की विशेष पूजा आराधना की जा जाती है। ऐसी मान्यता है कि जो लोग गुडी पड़वा पर सूर्यदेव की उपासना करते हैं उन्हे आरोग्य, अच्छी सेहत और सुख- समृद्धि मिलती है।

चेत्र नवरात्री पर्व– सनातन धर्म में नवरात्र के पर्व को अधिक महत्वपूर्ण माना गया है। पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि यानी 30 मार्च से चैत्र नवरात्रि शुरू होंगे और 06 अप्रैल को समापन होगा।

ॐ जयंती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी, दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वधा नमोऽतूस्तूते।
अयि गिरिनन्दिनि नन्दितमेदिनि विश्वविनोदिनि नंदी नुते? गिरिवरविन्ध्यशिरोऽधिनिवासिनि विष्णुविलासिनि जिष्णुनुते। ?भगवति हे शितिकण्ठकुटुम्बिनि भूरिकुटुम्बिनि भूरिकृते ?जय जय हे महिषासुरमर्दिनि रम्यकपर्दिनि शैलसुते।।

राघवेंद्ररविश राय गौड़, ज्योतिर्विद
9926910965

सहकारिता आंदोलन को नए मुकाम पर पहुंचाएंगे-मुख्यमंत्री

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 अन्तर्गत हुआ राज्य स्तरीय सम्मेलन

नीमच, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार सर्वजनकल्याण के संकल्पों के साथ कार्य कर रही है। वर्तमान में पंचायत से लेकर मंत्रालय तक पारदर्शितापूर्ण कार्य शैली के कारण अन्य क्षेत्रों के साथ सहकारी क्षेत्र में समृद्ध हुआ है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय सहकारिता एवं गृह मंत्री श्री अमित शाह ने सहकारिता का लाभ पहुंचाने के लिये बहुजन हिताय-बहुजन सुखाय के भाव के अनुसार कार्य करने के लिए मार्गदर्शन दिया है। मध्यप्रदेश सहकारिता के क्षेत्र में निश्चित ही नए दौर की नई कहानी लिखेगा। गुजरात में दूध पर बोनस की जिस तरह व्यवस्था है, मध्यप्रदेश भी इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके साथ ही मध्यप्रदेश में मत्स्य पालन के लिए काफी बड़ा क्षेत्र है और हाल ही में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भी उद्योग क्षेत्र के साथ सहकारिता ने कार्य करने की पहल की है। मध्यप्रदेश में सहकारिता आंदोलन को गति दी जा रही है। अब सहकारिता क्षेत्र में व्यवस्थाएं काफी पारदर्शी हैं और मध्यप्रदेश में सहकारिता के विभिन्न आयामों पर कार्य किया जाएगा। आने वाले चार वर्ष में सहकारिता आंदोलन को नए मुकाम पर पहुंचाया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को समन्वय भवन में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मेलन में पधारे प्रदेश भर के प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने सहकारिता विभाग में नवनियुक्त सहकारी निरीक्षकों के नियुक्ति पत्र भी सौंपे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सहकारिता विभाग के प्रयासों की सराहना की।

भारत में प्रचलित व्यवस्थाओं से सीखते हैं अन्य देश-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत में सहकारिता का इतिहास पुराना है। भारत में वर्षों पूर्व अश्वमेघ यज्ञ की परंपरा रही थी। लेकिन भारत ने किसी राष्ट्र पर कब्जा नहीं किया। छोटे-छोटे राज्यों की स्वायत्तता को खत्म नहीं होने दिया बल्कि उन्हें साथ लेकर कार्य किया और उनके स्वावलंबन को भी जीवंत रखा। सच्चे अर्थों में संयुक्त राष्ट्र संघ की भावना का पालन करने वाला कोई राष्ट्र है तो वह भारत है। जब यह कहा जाता है सर्वे भवन्तु सुखिन:, सर्वे सन्तु निरामया: ....तो इसका अर्थ है सभी को परस्पर जोड़ना और अपने लाभ में उन्हें सहभागी बनाना। यह वसुधैव कुटुम्बकम जैसे वेद वाक्य का लघु रूप है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विश्व में भारत की गरिमा बढ़ाने का कार्य किया है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी की भावना के अनुरूप मध्यप्रदेश में होगा कार्य-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सहकारिता के मूल भाव के अनुरूप बहुउद्देशीय सहकारी समितियों की कल्पना की। इसे साकार करने के लिए सहकारिता का दायित्व केंद्रीय मंत्री श्री अमित शाह को दिया गया। केंद्र सरकार ने सहकारिता में सभी के कल्याण का ध्यान रखा है।

मध्यप्रदेश में भी इसी तर्ज पर कार्य हो रहा है। सहकारिता अधिनियम में परिवर्तन के फलस्वरूप सोसायटी के रजिस्ट्रेशन का कार्य 30 दिन में संभव होगा। पूर्व में यह अवधि 90 दिवस थी। पूर्व की व्यवस्था में अनेक कठिनाईयों का सामना करना होता था। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में सहकारिता क्षेत्र में प्रक्रियाओं को सरल बनाने की पहल हुई। सहकारिता को उन्होंने बहुउद्देशीय और बहुआयामी बनाने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा औद्योगीकरण में सिर्फ व्यक्ति ही नहीं, सहकारिता की भी भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। मध्यप्रदेश किसानों, गौ पालकों और मत्स्य पालकों को सहकारी क्षेत्र में अधिक से अधिक सहयोग दिलवाकर इस क्षेत्र में शिखर पर पहुंचेगा।

सहकारी ध्वजारोहण कर कैलेण्डर, मैन्युअल और परिपत्र पुस्तिका का किया विमोचन-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुरुआत में सहकारी ध्वजारोहण कर अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के वार्षिक कैलेंडर, पैक्स कार्य मैन्युअल और सहकारिता में सहकार, पैक्स पुनर्गठन और व्यवसाय संवर्धन के महत्वपूर्ण परिपत्रों की पुस्तिका का विमोचन किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने माइक्रो एटीएम पखवाड़े का शुभारंभ भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाली पैक्स, दुग्ध सहकारी संस्थाओं और मत्स्य पालक सहकारी संस्थाओं को पुरस्कार प्रदान किए। इन संस्थाओं में विदिशा, इंदौर और खरगोन की संस्थाएं शामिल हैं। कार्यक्रम को सहकारिता और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी और केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने सहकारिता से समृद्धि का मंत्र दिया है। मध्यप्रदेश सहकारिता क्षेत्र में अग्रणी हो रहा है। हाल ही में जीआईएस-भोपाल में नया अध्याय जोड़ा गया जब सीपीपीपी अर्थात को-ऑपरेटिव पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप का विषय सामने आया। सहकारिता विभाग में कई नवाचार भी किए जा रहे हैं। ईज ऑफ डूईंग बिजनेस के अनुरूप कार्य किया जा रहा है। अपर मुख्य सचिव सहकारिता श्री अशोक बर्णवाल ने स्वागत उद्बोधन दिया। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव पशुपालन एवं डेयरी श्री उमाकांत उमराव, प्रमुख सचिव मत्स्य पालन श्री डी.पी. आहूजा, राज्य सहकारी विपणन संघ के प्रबंध संचालक श्री आलोक कुमार सिंह, आयुक्त सहकारिता श्री मनोज पुष्प, नाबार्ड क्षेत्रीय कार्यालय की मुख्य महा प्रबंधक श्रीमती सी. सरस्वती एवं बड़ी संख्या में प्रदेश की सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि, जिला सहकारी बैंक, अपेक्स बैंक, पैक्स, दुग्ध एवं मत्स्य समितियों के साथ ही सहकारिता विभाग के अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित थे। अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री मनोज कुमार गुप्ता ने आभार माना।

कल से मंडी का अवकाश, बंपर रही आवक

कल शुक्रवार से मंदसौर कृषि उपज मंडी में 05 दिन तक अवकाश रहेगा। इस दौरान मंडी में किसी तरह की उपज की नीलामी नहीं होगी। यही कारण है कि बुधवार को मंडी में लहसून और गेहूं की बंपर आवक रही। आज गुरुवार को भी दोनो प्रमुख उपज के साथ अन्य जिन्सों की आवक की संभावना है।

बड़े बालाजी मंदिर पर श्री हनुमान जन्मोत्सव पर होंगे रंगारंग आयोजन

सुंदरकांड, शाही महाआरती, विशाल भण्डारा व अभा कवि सम्मेलन का होगा आयोजन

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। पुराना बस स्टेण्ड स्थित प्रसिद्ध व चमत्कारी श्री बड़े बालाजी मंदिर पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भव्य हनुमान जन्मोत्सव मनाया जाएगा। जिसके तहत दिनांक 10 अप्रैल से 26 अप्रैल तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

उक्त आयोजन की जानकारी देते हुए मंदिर समिति के अध्यक्ष पं. दिलीप शर्मा व प्रवक्ता रवि ग्वाला ने बताया कि हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में दिनांक 10 अप्रैल गुरुवार प्रात: 11 बजे से भव्य सुन्दरकाण्ड (हरिभक्त मंडल उज्जैन) द्वारा संगीतमय सुन्दरकाण्ड की प्रस्तुति होगी और दिनांक 12 अप्रैल शनिवार को सायं 7.30 बजे विशाल शाही महाआरती होगी। महाआरती के दौरान मंदसौर के 151 ढोल, कोटा बुंदी की शहनाई, अजयमेरू के ढोल, उज्जैन की पुष्पवर्षा व आतिशबाजी, तोप व नगाड़े और भव्य रंगारंगा आतिशबाजी और जानेमाने ख्यातनाम 501 कलाकारों द्वारा वाद्ययंत्रों के साथ 251 दीपक से भगवान बालाजी महाराज की भव्य महाआरती होगी व प्रसाद वितरण होगा। दिनांक 20 अप्रैल, रविवार प्रात: 11 बजे से विशाल शाही महाभण्डारा मंदिर प्रांगण में होगा जो शाम 4 बजे तक चलेगा। दिनांक 26 अप्रैल, शनिवार को सायं 8 बजे से विराट कवि सम्मेलन का आयोजन बालाजी मंदिर परिसर पुराना बस स्टैंड पर होगा। जिसके सूत्रधार राष्ट्रीय कवि मुन्ना बैटरी होंगे। इस कवि सम्मेलन में देश के ख्यातनाम कवि काव्य पाठ करेंगे। इस दौरान स्व. श्री रामनारायण शर्मा काव्य अलंकरण सम्मान समारोह भी आयोजित होगा। मंदिर समिति के अध्यक्ष पं. दिलीप शर्मा, प्रवक्ता रवि ग्वाला समिति के सदस्यगण विनय दुबेला, नरेश चंदवानी, दिनेश जोशी (ऊँशांति), अनिल कियावत, चौथमल शर्मा, सज्जनलाल खमेसरा, नारायण पालीवाल, अनिल सुराह, महेन्द्रसिंह सिसोदिया, शिवशंकर सोलंकी, कपिल सोलंकी, राजाराम तंवर, जीवनलाल गोसर, वरदीचंद कुमावत, मुन्ना बैटरी, विनोद रूनवाल आदि ने सभी मंदसौर नगर के सभी भक्तों एवं काव्य प्रेमियों से आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

विहिप-बजरंग दल भालोट प्रखंड का 111 त्रिशूल दीक्षा कार्यक्रम सम्पन्न

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल भालोट प्रखंड के डिगांव खंड के ग्राम लदूसा सांवरिया जी मंदिर प्रांगण में 111 त्रिशूल दीक्षा कार्यक्रम व डिगाव खंड का कार्यकर्ता एकत्रीकरण सम्मेलन संपन्न हुआ।

मंचासीन अधिकारी जिला संयोजक अनिल धनगर, जिला सत्संग प्रमुख कन्हैयालाल धनगर, जिला सुरक्षा प्रमुख शंकर शर्मा, प्रखंड अध्यक्ष दिनेश विश्वकर्मा, प्रखंड संयोजक दशरथ गुर्जर, सहसंयोजक पंकज व्यास द्वारा राम दरबार प्रतीक चिन्ह पर पुष्पमाला समर्पित कर दीप प्रज्वलित किया गया। जिला संयोजक अनिल धनगर, जिला सत्संग प्रमुख कन्हैयालाल धनगर, जिला सुरक्षा प्रमुख शंकर शर्मा, के द्वारा सभी कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया गया। कार्यक्रम में पदाधिकारी जिला विद्यार्थी प्रमुख गोपाल टाक, प्रखंड गो रक्षा प्रमुख हरीश धनगर, खंड उपाध्यक्ष नारायण व्यास, खंड मंत्री प्रकाश धाकड़, खंड सत्संग प्रमुख कमलेश टेलर के साथ खंड ग्राम समितियों के कई कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन भालोट प्रखंड मंत्री राकेश विश्वकर्मा द्वारा किया गया आभार लदूसा ग्राम समिति के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों द्वारा मनाया गया।

ओलंपियाड प्रतियोगिता में कु. कनक रैगर जिले में रही प्रथम

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय ओलंपियाड प्रतियोगिता में कन्या माध्यमिक विद्यालय खानपुरा मंदसौर की कक्षा 7वीं की छात्रा कु. कनक पिता ओमप्रकाश रैगर ने हिन्दी विषय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती रेखा सोनगरा को मार्गदर्शिका शिक्षिका के रूप में सम्मानित किया गया। जिला शिक्षा केन्द्र (डाइट) में आयोजित कार्यक्रम में जिला कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग द्वारा छात्रा एवं शिक्षिका को सम्मानित किया गया।

दो दिवसीय टेनिस बॉल स्पर्धा सम्पन्न

पिपलियामंडी, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। भगतसिंह वॉलीबॉल क्लब के तत्वावधान में दो दिवसीय अंडर-16 बॉयज का टेनिस बॉल टूर्नामेंट सम्पन्न हुआ। हुआ जिसमें करीब 8 टीमों के 100 खिलाड़ी शामिल हुए। विनय नेकाड़ी ने बताया फाइनल मुकाबला नेचुरल पब्लिक स्कूल ने शक्तिपीठ टीम को पराजित किया। बेस्ट बॉलर कृष्णा माली, मैन ऑफ द सीरीज कुशाल रहे। प्रत्येक मैच में मेन ऑफ द मैच रवि खीर उर्फ नाना भैया की तरफ से दिया गया। प्रथम पुरस्कार दीपक पंजवानी की ओर से, द्वितीय पुरस्कार लक्ष्मीनारायण लौहार की ओर से दिया। फाइनल में पुरस्कार वितरण महेश सैनी, दीपक पंजवानी, ललित कसेरा, चिन्टू शर्मा, विनय तिवारी, लोकेश राठौर, तेजपालसिंह, लखन शर्मा, नवल पोरवाल, शिव राठौर की उपस्थिति में हुआ। स्कोर गम्पू राठौर और लकी फूलोद रहे, अंपायरिंग जयदीप और तनिष्क ने की। आभार विशाल विरवाल और आशीष पॉल ने माना।

अब एटीएम-यूपीआई से निकाल सकेगें पीएफ का रुपया

एक लाख रुपए तक विड्राल होगा, इमरजेंसी के वक्त तत्काल मिलेगा रुपया

नई दिल्ली, 26 मार्च। EPFO मेम्बर्स जल्द ही यूपीआई व एटीएम से पीएफ का रुपया निकाल सकेंगे। इसकी लिमिट एक लाख रुपए तक रहेगी। इस साल मई के आखिरी या जून की शुरूआत तक यह सुविधा शुरू होने की उम्मीद है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की सचिव सुमिता डावरा ने यह जानकारी दी।

सुमिता डाबरा ने बताया कि इसके लिए कर्मचारियों को डेबिट कार्ड की तरह EPFO विड्रॉल कार्ड दिया जाएगा। इससे वे ATM से तुरंत रुपए निकाल सकेंगे। UPI के माध्यम यूजर्स अपना एफ बैलेंस भी चेक कर पाएंगे। अभी EPFO मेंबर्स को ऑनलाइन क्लेम की प्रोसेस में 2 हफ्ते तक लगते हैं। सुमिता डावरा के अनुसार इस विस्तार का मकसद देश के वर्कफोर्स को ज्यादा से ज्यादा फाइनेंशियल फ्लेक्सिबिलिटी देना है। EPFO ने निकासी को आसान बनाने के लिए 120 से ज्यादा डेटाबेस को इंटीग्रेट करके अपने डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार किया है। क्लेम की प्रक्रिया का समय घटाकर केवल तीन दिन कर दिया गया है।

अब 95 प्रतिशम दावे ऑटोमेटेड हैं और आगे भी सुधार किए जाने की योजना है। इस नए प्रोसेस में एझत्रत्र्ज अपने सब्सक्राइबर्स को एक विशेष एटीएम कार्ड जारी करेगा जो उनके पीएफ अकाउंट से लिंक होगा। इस कार्ड का इस्तेमाल करके सब्सक्राइबर्स एटीएम मशीनों से सीधे अपने पीएफ का रुपया निकाल सकेंगे। वही यूपीआई से रुपए निकालने के लिए आपको अपना पीएफ अकाउंट को यूपीआई से लिंक करना होगा। इसके बाद सब्सक्राइबर्स पीएफ का रुपया अपने बैंक अकाउंट में ट्रांसफर कर सकेंगे। पीएफ विड्रॉल के नियम के तहत अगर किसी मेंबर की नौकरी चली जाती है तो वह 1 माह के बाद पीएफ अकाउंट से 75 प्रतिशत रुपया निकाल सकता है। इससे वह बेरोजगारी के दौरान अपनी जरूरतें पूरी कर सकता है। पीएफ में जमा बाकी 25 प्रतिशम हिस्से को जॉब छूटने के दो महीने बाद निकाला जा सकता है।

पीएफ निकालने आयकर के नियम-कर्मचारी को यदि किसी कंपनी में सेवाएं देते 5 साल पूरे हो जाते हैं और वो झत्रनिकालता है तो उस पर इनकम टैक्स की कोई लायबिलिटी नहीं होती। 5 साल की अवधि एक या इससे ज्यादा कंपनियों को मिलाकर भी हो सकती है। एक ही कंपनी में 5 साल पूरे करना जरूरी नहीं। यदि कर्मचारी नौकरी में 5 साल पूरे होने से पहले झत्रखाते से 50 हजार रुपए से ज्यादा राशि निकालता है तो उसे 10 प्रतिशत ढऊड चुकाना होगा। वहीं अगर आपके पास पैन कार्ड नहीं है तो आपको 30 प्रतिशत ढऊड देना होगा। हालांकि अगर कर्मचारी फॉर्म 15 G/15H सबमिट कराता है तो कोई TDS नहीं काटा जाता है।

कलेक्टर ने परियोजना गरोठ में पोषण भी पढ़ाई भी प्रशिक्षण का निरीक्षण किया

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना गरोठ में चल रहे पोषण भी पढ़ाई भी प्रशिक्षण के प्रथम सत्र के अंतिम दिन कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग द्वारा निरीक्षण किया। जिसमें सभी को प्रशिक्षण अंतर्गत निर्देशित किया गया। आंगनबाड़ी के सभी हितग्राहियों को शासन की सभी योजनाओं का पात्रता अनुसार सभी को शत प्रतिशत लाभान्वित करें एवं सभी आंगनबाड़ी केंद्र का संचालन नियम अनुसार करें। सभी आंगनबाड़ी केंद्र पर बच्चे उपस्थित होना चाहिए। गुणवत्तापूर्ण नाश्ता भोजन मीनू अनुसार सभी को दिया जाए। कार्यकर्ता अपने रिकॉर्ड सही संधारण करें। बच्चों के कुपोषण के स्तर को सही लंबाई और वजन अनुसार सही ग्रेट निकाले, सभी नियम अनुसार कार्य करें। भारत सरकार के इस अभियान में 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए अनौपचारिक शिक्षा व दिव्यांगता से जुड़े कार्यक्रम शामिल है जो कार्यकर्ता प्रशिक्षण लेकर जा रही है वे सही प्रशिक्षण लेकर अपने-अपने ग्राम स्तर पर निर्देशों का पालन करते हुए सही कार्य करें। परियोजना अधिकारी श्रीमती राखी बारिया एवं मास्टर ट्रेनर श्रीमती रेखा सोनी पर्यवेक्षक एवं श्रीमती मंजू गुप्ता पर्यवेक्षक द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र के कार्यकर्ताओं को पोषण भी पढ़ाई भी अभियान के तहत प्रशिक्षण दिया गया।इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, सी ई ओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन, एसडीएम चंदर सिंह सोलंकी, एडिशनल एसपी हेमलता कुरील, नगर परिषद सीएमओ वीरेंद्र मेहता, जनपद सीईओ धर्मेंद्र यादव तहसीलदार किरण गहलोत, जिला कार्यक्रम अधिकारी मंदसौर पीसी चौहान उपस्थित थे।

आज निकलेगी रंग तेरस की परंपरागत गैर

नीमच, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। उपनगर नीमच सिटी में वर्षों पुरानी परंपरा का निर्वहन करते हुए आज 27 मार्च गुरुवार को रंग तेरस के अवसर पर भेरू जी की प्रतिमा को नगर भ्रमण कराते हुवे रंग तेरस की गैर माहेश्वरी मोहल्ले से प्रारंभ होगी जो उपनगर नीमच सिटी के प्रमुख मार्गो से होती हुई पुन: माहेश्वरी मोहल्ले में समाप्त होगी। ज्ञात हो की रंग तेरस के अवसर पर प्रति वर्ष अनुसार जमीन में गड़ी हुई भेरू जी की प्रतिमा जमीन से निकाल कर उन्हें बकरे की खाल में भरे पानी से स्नान करवा कर पूजा अर्चना कर गेर के रूप में जोशी मोहल्ला स्थित खेड़ापति बालाजी ले जाया जाएगा। जहां पूजा अर्चना कर दाल बाटी का भोग लगाकर ढोल धमाके और बाजों के साथ चौधरी मोहल्ला होते हुए माहेश्वरी मोहल्ला लाया जायेगा। वहां रंग गुलाल से होली खेली जाएगी। यह परंपरा वर्षो पुरानी है जिसका निर्वहन आज की युवा पीढ़ी भी करती आ रही है।

राठौर का निधन

पिपलियामंडी, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। माली समाज के वरिष्ठ लक्ष्मीनारायण राठौर का 80 वर्ष की आयु में हृदयघात से निधन हो गया। बुधवार शाम टीलाखेड़ा स्थित निवास से निकली अंतिमयात्रा में बड़ी संख्या में समाजजनों, गणमान्य नागरिकों ने शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

एक और निर्धन निराश्रित शव का किया अंतिम संस्कार

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। सेवा बैंक अध्यक्ष, समाजसेवी व पार्षद सुनील बंसल ने बुधवार को एक और निर्धन व निराश्रित शव का अंतिम संस्कार विधि विधान से किया।

श्री बंसल ने बताया कि बुधवार की सुबह में वह उनके मित्र श्री दिनेश अग्रवाल परिवार के एक जलवा आयोजन में जाने घर से निकलकर बीपीएल चौराहा पहुंचे ही थे की जिला चिकित्सालय से श्री नासिर दडवाल का फोन आया कि एक गरीब व्यक्ति जिसको रंग पंचमी अस्पताल में भर्ती कर रखा था उसकी मृत्यु हो चुकी है उसका अंतिम संस्कार करना है। अत: आप यहां पर आकर तैयारी कर उसका अंतिम संस्कार करें। जिस पर श्री बंसल तुरंत वापस घर पहुंच कर अंतिम क्रिया का सामान लेकर रेडक्रॉस का मोक्ष रथ बुलाकर जिला चिकित्सालय परिसर में पहुंचे। वहां ज्ञात हुआ कि दिवंगत व्यक्ति विनय पिता माधवराव मराठा उम्र 50 साल है जो श्रृंगार गली राम मंदिर के पास मंदसौर में निवास करता है। तथा उसके परिवार में और कोई नहीं। जिला चिकित्सालय में उसके कुछ पहचान वाले जिस दुकान पर काम करता था वो और उसके परिचित वहां मौजूद थे। श्री बंसल ने विनय के देह को वहां से हिंदू रीति रिवाज के अनुसार अंतिम चाल चलवा कर मोक्ष रथ से उसे शिवना तट स्थित मुक्तिधाम पर लाकर उसका सनातन धर्म के हिसाब से अंतिम संस्कार किया। मुखाग्नि सुनील बंसल ने दी। अन्तिम यात्रा में राजू सोलंकी, नवीन बंधवार, रामचंद्र बाड़ोलिया, गोविंद परमार, रितेश बैरागी, गोविंद राठौड़, जितेंद्र फतरोड, नवीन मकवाना साथ थे।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग-मंदसौर

Email ID-eeresmandsaur@mp.gov.in

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक-18/2024-25

जावक क्रमांक/457/ग्रा.यां.से./वलेलि/निविदा/2024-25 मंदसौर, दिनांक 24.03.2025

म.प्र. के राज्यपाल की ओर से निम्नांकित कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट http://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

स.क्रं.	ऑनलाईन टेण्डर नं.	कार्य का नाम	निर्माण कार्यो की अनुमानित (राशि रुपए में)	रिमार्क
1	2025_RES_411688_1	शासकीय हाई स्कूल नावली में वोकेशनल क्लासेस हेतु अतिरिक्त कक्ष निर्माण ज.पं. भानपुरा	1195476	प्रथम आमंत्रण

उपरोक्त निविदा के निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन भुगतान कर क्रय किये जा सकेंगे। निविदा प्रपत्र पोर्टल पर दिनांक 28.03.2025 से देखे जा सकेंगे। विस्तृत सूचना Key Dates तथा अन्य जानकारी वेबसाईड पर देखी जा सकती है। निविदा संबंधी समस्त संशोधन समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किये जावेंगे। केवल वेबसाईट पर देखे जा सकेंगे।

कार्यपालन यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग मंदसौर

G-24829/24 दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

राजकुमार गुप्ता, एड०होकेट

कार्यालय व निवास-207 तिरूपति नगर, होटल सम्राट के सामने पानी की टंकी के पास स्टेशन रोड, मंदसौर (मप्र)-458001 Mobile No-98260-58658 E-Mail-rkguptamds@gmail.com

क्रमांक 138/2025 दिनांक 25.03.2025

✻✻✻ जाहिर सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा दिलीप पिता सत्यनारायण टेलर, निवासी-ग्राम-खेडी मोहल्ला नाहरगढ़, तहसील-सीतामऊ, जिला-मन्दसौर से आवासीय मकान जो आबादी सर्वे क्रमांक 2029 बी, भूखंड पंजी क्र. 812 पी, पटवारी हल्का नं. 00001, पर दर्ज होकर, पता-ग्राम नाहरगढ़, तहसील-सीतामऊ, जिला-मन्दसौर उनके हक और हिस्से का स्वत्व: त्याग विधिवत रजिस्टर्ड, स्वत्व त्याग विलेख ई-पंजीकरण क्र. MP15IGR17852025A100168806, दिनांक 25.03.2025 से मेरे पक्षकार सुमित्राबाई पति दिलीप टेलर, निवासी-ग्राम-खेडी मोहल्ला नाहरगढ़, तहसील-सीतामऊ, जिला-मन्दसौर के पक्ष में उप पंजी कार्यालय सीतामऊमें करवाया गया है। उक्त मकान की चतुर्सीमा व पैमाईश निम्नानुसार है:-

पूर्व में-बाबुलाल पिता रामचन्द्र राठौर का मकान, पश्चिम में-रास्ता व बाबुलाल जी, मांगीलाल जी, संदीप सोनी, उत्तर में-दिलीप पिता किशनलाल जी गुप्ता का मकान, दक्षिण में-रास्ता, पैमाईश रकबा 31.5 वर्ग मीटर

उक्त सम्पत्ति पर मेरे पक्षकार द्वारा INDIAN SHELTER FINANCE, CORPORATION LIMITED, Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है, यदि किसी भी व्यक्ति,संस्था, बैंक आदि का भार बोझ आदि उक्त सम्पत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के आपत्ति प्रस्तुत करें, वरना बाद गुज़रने, मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नही होगी जो सूचित हो।

भवदीय
राजकुमार गुप्ता, एडवोकेट मन्दसौर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग मंदसौर (म.प्र.)

E-mail-eepwdmandsaur0@gmail.com Ph-07422-255211

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 17/2024-25/एसएसी/ मंदसौर दिनांक 13.03.2025

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यो हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखीत कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर रिफरेन्स क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में
1	2	3	4	5	6	7
1	2025_PWDRB_409642	मंदसौर	DPR	लोक निर्माण विभाग संभाग मंदसौर के उपसंभाग मंदसौर अंतर्गत विभिन्न मार्गो के सर्वे एवं डीपीआर तैयार करने का कार्य	First	रु.16.93
2	2025_PWDRB_409645	मंदसौर	DPR	लोक निर्माण विभाग संभाग मंदसौर के उपसंभाग गरोठ अंतर्गत विभिन्न मार्गो के सर्वे एवं डीपीआर तैयार करने का कार्य	First	रु.16.90
				Total		रु.33.83

उपरोक्त वेबसाईट पर ऑनलाईन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (mptenders.gov.in) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगी। निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक 29.03.2025 सायं 17:30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एनआईटी एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर ही किया जाएगा। पृथक से समाचार-पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जाएगा।

(EMD only RTGS/NEFT)

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग संभाग, मंदसौर

G-24799/24 देर से घर आए लेकिन दुरूस्त आए, धीरे चले सुरक्षित चले।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in